अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 230 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 14 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

शिवाजी महाराज न होते तो ऐसा न होता भारत, सबसे अच्छा था उनका प्रशासनिक मॉडल : पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के हिंदवी स्वराज को बेहतर शासन का सबसे अच्छा उदाहरण बताया है। शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान उनका पहले से रिकॉर्ड किया गया वीडियो मैसेज लोगों को सुनाया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अगर छत्रपति शिवाजी महाराज होते तो भारत के मौजूदा रूप-स्वरूप की कल्पना कर पाना भी मुश्किल होता। उन्होंने कहा कि विभिन्न मोर्चों, जैसे-समुद्री ताकत के प्रभावशाली इस्तेमाल और जल प्रबंधन आज भी अनुकरणीय है। प्रधानमंत्री का यह 11 मिनट का रिकॉर्डेड भाषण प्रख्यात इतिहासविद और लेखक बाबा साहब पुरंदरे के अभिनंदन समारोह के दौरान लोगों को सुनाया गया। गौरतलब है कि बाबा साहेब पुरंदरे छत्रपति शिवाजी महाराज को

लेकर अपने काम के लिलए जाने जाते हैं। 29 जुलाई को उन्होंने अपना 100वां जन्मदिन मनाया है। पद्म विभूषण से सम्मानित बाबा साहेब शिव शाहिर के नाम से भी जाने जाते हैं। पुरंदरे ने ऐतिहासिक नाटक 'जनता राजा'का लेखन और निर्देशन किया है। यह नाटक 200 कलाकारों ने प्रस्तुत किया था। वहीं इसका पांच भाषाओं में रुपांतरण और मंचन हो चुका है। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आज की भौगोलिक स्थिति के पीछे शिवाजी महाराज के वीरतापूर्ण कार्य हैं। वह भारत के इतिहास में शिखर पुरुष हैं। पीएम मोदी ने कहा कि अगर छत्रपति शिवाजी महाराज न होते तो हमारे भूत, भविष्य और वर्तमान पर सवाल उठ रहे होते। इस दौरान पीएम ने यह भी कहा कि शिवाजी नहीं होते तो भारत के वर्तमान स्वरूप की कल्पना करना भी मुश्किल था।

छत्रपति शिवाजी महाराज के हिंदवी स्वराज का जिक्र करते हुए पीएम ने इसकी महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस सिस्टम के तहत वंचितों को न्याय और अन्याय के खिलाफ लड़ाई पर जोर दिया जाता था। अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने पुरंदरे को उनके 100वें जन्मदिन पर बधाई दी। इस दौरान उन्होंने शतायु होने की खूबियां भी बयां कीं। पीएम ने कहा कि 100 वर्ष तक जीने, 100 वर्ष तक सक्रिय रहने और 100 वर्ष तक कार्य करने की फिलॉस्फी को बाबा साहेब ही जिंदगी पूरी तरह से बयां करती है। उन्होंने कहा कि जबकि भारत अपनी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है, आजादी के वीरों की बहादुरी को बयां करने के लिए एक खास अभियान की तैयारी है। पीएम ने कहा कि बाबा साहेब ने भी अपनी पूरी जिंदगी इसी सिलसिले में कुर्बान कर दी। उन्होंने कहा कि बाबा पुरंदरे ने जिस तरह से शिवाजी महाराज के जीवन की कहानी को बयां किया है, हम उनके ऋणी रहेंगे।

20 अगस्त को सोनिया गांधी ने बुलाई विपक्ष की बैठक, ममता बनर्जी सहित कई नेता होंगे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश की जा रही है। इस बार यह पहल कांग्रेस पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के द्वारा की जा रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि 20 अगस्त को सोनिया गांधी ने एक वर्चुअल बैठक बुलाई है। इस बैठक में समान विचारधारा वाले दलों के नेताओं को आमंत्रित किया गया है।एएनआई के मुताबिक, सोनिया गांधी ने इस बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, डीएमकी प्रमुख एमके स्टालिन और झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे।

संसद के हंगामेबाजों पर एक्शन पर बोले नायडू- मेरे लिए दो आंखों की तरह हैं पक्ष और विपक्ष, जल्द होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मॉनसून सत्र का अधिकांश समय हंगामों के बीच बीता। काम बाधित तो हुए। साथ ही झड़प भी देखने को मिली। राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने आज जोर देकर कहा कि सदन में विपक्ष और ट्रेज़री बेंच यानी सत्ता पक्ष उनकी दो आंखों की तरह हैं और उनके लिए दोनो समान हैं। मॉनसून सत्र के दौरान राज्यसभा में कुछ अनियंत्रित दृश्यों के खिलाफ कार्रवाई पर विचार किए जाने पर, नायडू ने कहा कि पूरे मामले पर विचार चल रहा है। जल्द से जल्द एक उचित फैसला लिया जाएगा। विधेयकों को सदन की प्रवर समिति को भेजे जाने पर उन्होंने कहा कि जब भी सदन में ऐसे मामलों पर मतभेद बने रहते हैं, तो सदन सामूहिक रूप से निणन्य लेता है। चेयर इसको लेकर किसी भी तरीके से मजबूर नहीं कर सकता है।कृषि कानूनों और पेगासस

जासूसी विवाद सतिह कई मुद्दों पर विपक्षी सांसदों के हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही लगातार बाधित हुई। बुधवार को राज्यसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सभापति वेंकैया नायडू भावुक हो गए। मंगलवार की घटना का जिक्र करते हुए वेंकैया नायडू ने कहा कि जब कृषि कानूनों का विरोध करते हुए कुछ सांसद मेज पर बैठ गए और अन्य सदस्य सदन की मेज पर चढ़ गए, तब इस राज्यसभा की सारी पवित्रता खत्म हो गई। उन्होंने कहा था कि सदन में हंगामा करने वाले विपक्षी सांसदों को कार्रवाई का सामना करना होगा।

बता दें कि मंगलवार को राज्यसभा में हंगामे की हद उस वक्त पार हो गई, जब कांग्रेस के एक सांसद ने मेज पर चढ़कर आसन की ओर रूल बुक फेंक दी। इस तरह से पांच बार बाधित होने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी थी।

राजनीति में दखल दे रही एक कंपनी, भुगतना होगा अंजाम, अकाउंट लॉक करने को लेकर ट्विटर पर बरसे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने और पार्टी के तमाम अकाउंट्स को लॉक करने को लेकर ट्विटर पर निशाना साधा है। उन्होंने एक वीडियो स्टेटमेंट जारी कर कहा कि एक कंपनी के तौर पर देश की राजनीति तय करने का काम ट्विटर कर रहा है। यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है। यह राहुल गांधी पर हमला नहीं है। यह सिर्फ मेरी ही आवाज को बंद करने की बात नहीं है बल्कि लाखों करोड़ों लोगों को चुप करने का मामला है। राहुल गांधी ने मेरे ट्विटर अकाउंट को बंद करके एक कंपनी ने राजनीतिक प्रक्रिया में दखल दिया है। कारोबार करने वाली एक कंपनी राजनीति को तय कर रही है। कांग्रेस लीडर ने कहा कि एक राजनेता के तौर पर मैं इस तरह की चीजें पसंद नहीं करता हूं।

खुशखबरीः अगले महीने आ रही सिंगल डोज वाली स्पूतनिक लाइट वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में चल रहे कोरोना टीकाकरण अभियान की गति में अगले महीने तेजी देखने को मिल सकती है। देश में ही बन रही सिंगल डोज वाली 'स्पूतनिक लाइट' सितबंर में लॉन्च हो सकती है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पनेसिया बायोटेक ने हाल ही में भारत के ड्रग रेगुलेटर के सामने एक डॉजियर जमा किया है और टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी मांगी है। एक खबर के मुताबिक इस वैक्सीन की कीमत लगभग 750 रुपये होगी और शुरुआत में यह सीमित मात्रा में ही उपलब्ध होगी। रूस में पहले ही सिंगल डोज वाले इस टीके को आपात इस्तेमाल की मंजूरी दे दी गई है। विश्लेषण में बताया गया है कि वैक्सीन 80 प्रतिशत असरदार है। पनेसिया और रशियन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड (अ्द्ध) मिलकर इस वैक्सीन को् निर्माण में काम किया है। बता दें कि अभी तक दो डोज वाली स्पूतनिक का इस्तेमाल किया जा रहा था। हैदराबाद में मौजूद डॉ रेड्डीज लैब इस वैक्सीन को भारत में लाने की जिम्मेदारी है।

बच्चों पर अब कोरोना का कहर

बेंगलुरु में 10 दिनों में 500 से ज्यादा हुए पॉजिटिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस की दूसरी लहर का कहर झेल चुके भारत पर अब तीसरी लहर का खतरा मंडरा रहा है। धीरे-धीरे तीसरी लहर की दस्तक देश के अलग-अलग कोनों से आनी शुरू हो गई है। विशेषज्ञ पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि कोरोना की थर्ड वेव में बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे और अब कोरोना धीरे-धीरे बच्चों को ही अपना शिकार बना रहा है। बेंगलुरु में पिछले 10 दिनों में 543 बच्चे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिक (बीबीएमपी) ने शुक्रवार को सूचित किया कि 1 अगस्त से 11 अगस्त तक 0-19 वर्ष के आयु वर्ग के 543 बच्चे कोरोना पॉजिटिव मिले हैं, हालांकि इस आयु वर्ग से कोई मौत दर्ज नहीं हुई है। बीबीएमपी ने बताया कि ज्यादातर बच्चे या तो एसिम्टोमेटिक हैं या फिर इनमें हल्के लक्षण हैं। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार

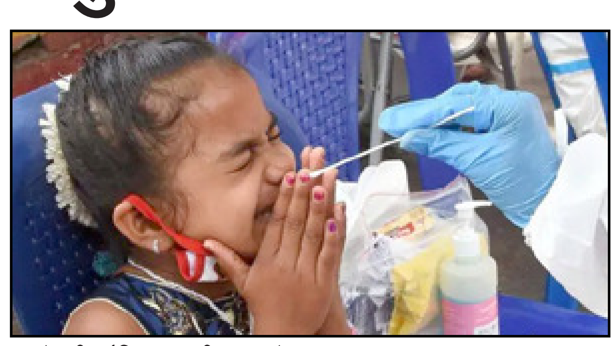

बच्चों की पौष्टिकता की जांच के लिए बाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगी। उन्होंने कहा, ठविशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बच्चे तीसरी लहर में प्रभावित होंगे, क्योंकि उन्हें अभी तक टीका नहीं लगाया गया है। हमने बच्चों की निगरानी के लिए उडुपी और हावेरी जिलों में 'वात्सल्य' योजना पहले ही शुरू कर दी है। हम उनके पोषण की जांच के लिए बाल चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेंगे।

सीएम ने कहा, उन्होंने कहा, ठहम पोषण की कमी और कम विकास के लिए आवश्यक उपचार करेंगे। हमने सभी संबंधित अधिकारियों को इस पर प्रशिक्षण भी दिया था। हम बच्चों को इस वायरस से बचाने की कोशिश करेंगे। हमने सभी जिला अस्पतालों को बाल चिकित्सा आईसीयू की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। विशेषज्ञों के सुझाव के अनुसार राज्य सरकार ने स्कूल खोलने का निणन्य लिया था। अब मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक दौरे से दक्षिण कनन्ड़ लौटने के तुरंत बाद उनके साथ एक आपात बैठक बुलाई है।

नेहरू युवा केंद्र नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत चलाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम में ब्लॉक चाका के गंगा ग्राम अरैल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुआ त् कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षिका श्रीमती रिचा नारायण ने किया त् सर्वप्रथम छात्रों के मध्य स्वच्छता के महत्व पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें स्वच्छता से जुड़े महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। गोष्ठी के दौरान डी पी ओ ने कहा कि गांधी जी का सपना था कि भारत एक स्वच्छ और साफ-सुथरा देश बने। हम अपने आसपास की जगह को स्वच्छ रखते हैं तो अनेक बीमारियों से भी बचते हैं।इससे हमारे देश की छवि भी सुधरती है त् गंगा

स्वच्छता, जैव विविधता व जलीय जीव , तालाब संरक्षण , वृक्षारोपण के महत्वता के बताते हुए पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रोत्साहित कियात् इसके अतिरिक्त उपस्थित शिक्षकों ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम में स्वच्छता जागरूकता विषय पर रैली भी निकली गयी तथा तीन प्रतियोगिता कराई गई जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता, नारा लेखन एवं दौड़ प्रतियोगिता कराई गयी। वहां मौजूदा सभी छात्रों ने इन प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया त् तीनों प्रतियोगिताओं में से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों नाम शगुन तिवारी, शिवम मिश्रा, सौरभ मिश्रा को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया गया त् कार्यक्रम में अहम भूमिका में रहे शिक्षिका अर्चना दुबे व नागेश नारायण मिश्रा का खास योग्यदान रहा त् युवा मंडल अध्यक्ष निर्मल कांत पांडे की सहभागिता रही।

गुड़िया पीट रहा छात्र नाले में बहा

कौंधियारा/प्रयागराज। जिले के रामपुर के नाले में आज शाम एक 10 वर्षीय लड़का कुलदीप कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार गुडि़या पीटते समय बह गया । कई और बच्चे भी डूब रहे थे जिन्हें वहां उपस्थित अन्य बच्चों ने बचा लिया । लेकिन तेज बहाव होने के कारण रामपुर रपटा छठी क्लास में पढ़ने वाला छात्र वह गया देर शाम तक गांव वाले उसका शव ढूंढने में लगे थे लेकिन अंधेरा होने तक छात्र का कुछ पता नहीं चला । यह खबर जब बच्चों ने गांव में फैलाई तो गांव वाले दौड़े लेकिन बच्चे का कुछ पता नहीं चल पाया । ग्रामीणों ने स्थानीय जारी चौकी और कौंधियारा थाना को सूचना दी है मौके पर पहुंच कर पुलिस ने पड़ताल शुरू की । मैदा चांदी की ओर से आने वाले रामपुर के पहले पढ़ने वाले रपटे का रास्ता इस समय बाढ़ के कारण बंद है उसी नाले में गांव के बच्चे शाम को नाग पंचमी के त्यौहार में गुडि़या बहा रहे थे वहां कुलदीप जी मौजूद था अचानक वह कब बहाव में बह गया।

कबरा में पारम्परिक दंगल कजली का हुआ आयोजन

विजेताओं को जिला पंचायत सदस्य डा, विजय बाबू यादव ने किया पुरस्कृत

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील क्षेत्र के गांव कबरा में नागपंचमी के अवसर पर पारम्परिक दंगल कजली, कबड्डी, लम्बी कूद, आदि खेल आयोजित किया गया। जिसमें लम्बी कूद में अमन प्रजापति कबरा, कुश्ती में मुकेश मिश्रा डीहा, प्रथम स्थान प्राप्त किया ।वही कबड्डी प्रतियोगिता में कुल दस टीमों ने प्रति भाग किया जिसमें फाइनल मैच में गंगा क्लब कबरा विजेता रही ।सभी खिलाड़ियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य डाक्टर विजय बाबू यादव ने खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए पुरस्कृत किया, कार्यक्रम के आयोजक कृष्ण प्रकाश तिवारी, सहित चंद्र प्रकाश तिवारी, नचकऊ तिवारी, गोविन्द तिवारी, अंकित मौर्या, विवेक तिवारी, सुरेश चंद्र शुक्ला, पंकज मिश्रा, जटाशंकर शुक्ला, स्वतंत्र तिवारी, कमला प्रसाद, रंग बहादुर आदि का योगदान सराहनीय रहा है।

सुजौना ने जीता कबड्डी प्रतियोगिता

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्री कैलाश धाम मंदिर जसरा प्रयागराज में नाग पंचमी के उपलक्ष्य में विशाल मेले का आयोजन किया गया। साथ ही मंदिर आयोजक मंडल द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजक समाजवादी पार्टी के ब्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र केसरवानी उर्फ सोनू ने विजयी टीम के खिलाड़ियों को ग्यारह सौ रूपये का नकद व उप विजेता टीम को पांच सौ रूपये का पुरस्कार दिया। कबड्डी फाइनल मैच सुजौना व खटंगिया के बीच खेला गया। जिसमें सुजौना की टीम ने खटंगिया की टीम को पराजित कर विजयी घोषित हुई। समिति के अध्यक्ष मातादीन मिश्रा ने मेले में आये हुए लोगों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में अजय कुमार मिश्र,धीरेंद्र सिंह प्रधान प्रतिनिधि, भूपत सिंह,अजय सिंह, लालचंद पटेल,विनय कुमार यादव,शशि कुमार केसरवानी, शंभू नाथ केसरवानी,मुकेश केसरवानी आदि लोग उपस्थित रहे।

शुक्रवार को मनाई गई पूर्व विधायक की जयंती

अखंड भारत संदेश

जारी/कौंधियारा। क्षेत्र में खंड विकास अधिकारी कार्यालय कौंधियारा, मोती लाल नेहरू डिग्री कॉलेज कौंधियारा एवं श्रीमती इंदिरा गांधी पूर्व माध्यमिक विद्यालय पटेल नगर अकोढ़ा सहित दर्जनों शिक्षण संस्थानो के संस्थापक एवं बारा के पूर्व विधायक स्व0 पंडित रमाकांत मिश्र की 88 वीं जयन्ती शुक्रवार को मनायी गई। सभी संस्थानों में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण किया गया। कौंधियारा डिग्री कॉलेज में आयोजित, कार्यक्रम में उनके कनिष्ठ पुत्र एवं भाजपा नेता राजेन्द्र मिश्र ' बबुआन 'ने स्व0मिश्र को समाज का सच्चा हितैषी बताते हुए कहा कि बारा क्षेत्र के आवाम को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए वे जीवनपर्यंत संघर्षरत रहे।

अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ0मणि शंकर

द्विवेदी ने पूर्व विधायक के शैक्षिक उनन्यन हेतु किये गए प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आजादी के बाद क्षेत्र के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए बेसिक से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षण संस्थानों की स्थापना उनके जीवन का महत्वपूर्ण सोपान रहा है।

समाजसेवी नागेंद्र पाण्डेय ने स्व0मिश्र को विकासपुरुष की संज्ञा देते हुए बताया कि समाज के समग्र विकास का खाका उनके मस्तिष्क में सदैव बना रहता था।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अखिलेश द्विवेदी एवं डॉ0 विक्रम शुक्ल ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ0बालकृष्ण शुक्ल, डॉ0 अनिल कोरी, शेषमणि पाण्डेय, पी के तिवारी ,शिवशंकर पाण्डेय ,राकेश यादव, जे के श्रीवास्तव ,संजय पाल, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ0 जी पी गुप्त ,डॉ0 बबली द्विवेदी ,एस पी गिरि दीपा शुक्ला, योगेंद्र मिश्रआदि लोग उपस्थित रहे।

अध्यक्ष उ0प्र0 लोक सेवा आयोग की अध्यक्षता में श्रमदान एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रभागीय निदेशक, सामाजिक वानिकी प्रभाग रमेश चन्द्र ने बताया है कि उ0प्र0 लोक सेवा आयोग, प्रयागराज परिसर में संजय नेत, अध्यक्ष, उ0प्र0 लोक सेवा आयोग की अध्यक्षता में श्रमदान एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम वन विभाग प्रयागराज के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष, उ0प्र0 लोक सेवा आयोग संजय नेत तथा उ0प्र0 लोक सेवा आयोग के सदस्यगण डा0 राममौर्य, डा0 हरेश प्रताप सिंह, कल्पराज सिंह, डा0 सबिता अग्रवाल, प्रो0 आर0 एन0 त्रिपाठी, डा0 किशनवीर सिंह, सन्तोष कुमार वास्तव एवं सचिव जगदीश, उप सचिव, पुष्कर वास्तव, परीक्षा नियंत्रक अरविन्द कुमार मिश्र, मुख्य वन संरक्षक, दक्षिणी क्षेत्र एन0 रविन्द्रा, वन संरक्षक, प्रयागराज वृत्त, बी0आर0अहिरवार, उप प्रभागीय के संयुक्त सचिव, विधि ऋचा जोशी, संयुक्त सचिव, लखन लाल शिवहरे, संयुक्त सचिव ओम अरविन्द कुमार मिश्र, सेवा निवृत्त, अपर सचिव वित्त ए0 के0 द्विवेदी ने पौधरोपण किया।

वनाधिकारी, प्रयागराज रणवीर मिश्र, उ0प्र0 लोक सेवा आयोग प्रकाश मिश्र, उप सचिव सत्य प्रकाश एवं परीक्षा नियंत्रक अध्यक्ष ने कबूतर को हवा में उड़ाया तथा पर्यावरणीय संदेशयुक्त गुब्बारे को हवा में उड़ाया और आम के पौध का रोपण किया। इस अवसर पर उपस्थित लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश एवं वन विभाग तथा कृषि विभाग के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष ने पौधों से भावनात्मक रूप से जुड़ने का आवाह्न करते हुए कहा कि जिस प्रकार हम लोग किसी से भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं तो उसके सुरक्षा/संरक्षा के प्रति विशेष ध्यान देते हैं। इसी प्रकार सभी लोग भावनात्मक रूप से रोपित पौधों के साथ जुड़कर धरती को हरा भरा, स्वच्छ एवं पर्यावरण के दृष्टिकोण से समृद्ध बनाने का संकल्प लें। अन्त में सभी कर्मचारियों का अध्यक्ष ने आभार व्यक्त किया।

बाढ प्रभावित गांवो में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया दौरा

महामारी के बचाव के लिए बाटी दवाएं

अखंड भारत संदेश

करछना। स्वास्थ्य विभाग की तीन सदस्यीय टीम ने बाढ़ प्रभावित बबुरा ,तलिया, लकतहा,खजुरौल ,बसही, गांवों का दौरा कर पानी फिल्टर करने की दवा क्लोरीन, उल्टी खूजली की दवा,दै घोल ,पैरासिटामॉल आदि वितरित कर लोगो को बीमारी से बचने के लिए जागरूक किया।तथा ग्राम प्रधान बसही हिमांशु सिंह,बबुरा प्रधान निर्मल कुमार सिंह, खजुरौल प्रधान संदीप यादव के साथ बीमारी से बचने की एवम ब्लिचिंग पॉवडर उप्लब्ता तथा छिड़काव पर चर्चा की। टीम में डॉ राजीव कुमार द्विवेदी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक डॉ जगदम्बा प्रसाद यादव ,अनुराग शुक्ला शामिल थे

ग्राम सभा का विकास मेरी पहली प्राथमिकता,सोना सिद्दीकी

ग्राम पंचायत अमिलियपाल में विकास कार्य को गति दी जा रही

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। ब्लाक कोरांव के ग्राम अमिलियापाल में ग्राम प्रधान द्वारा विकास कार्य को तीव्र गति से किए जाने की बात कही है। प्रधान श्रीमती सोना सिद्दीकी पतनी पूर्व प्रधान मो0 लल्लन सिद्दीकी ने वार्ता के दौरान उक्त जानकारी दी।

प्रधान श्रीमती सोना ने बताया कि मेरा मुख्य उद्देश्य है गांव का विकास और लोगों का सम्मान कायम रखना। उन्होंने बताया कि मेरा पूरा प्रयास है कि हर गली कूचों का विकास हो। और कई कार्य गांवों में

कराए जा रहे हैं। साथ ही कई विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव स्वीकृति हेतु प्रयास जारी है।सोना सिद्दीकी

ग्राम प्रधान विकास की प्रथम एवम अहम कड़ी : अभिषेक सिंह पटेल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। वृक्ष पर्यावरण का अभिनन्अंग हैं जितने अधिक मात्रा मे पेड़ लगेंगे साथ ही उनका संरक्षण किया जाएगा आने वाले कल मे उतना ही अधिक पर्यावरण संतुलित होगा इसके साथ ही शादी, सालगिरह, जन्मोत्सव इत्यादि शुभ अवसरों पर युवा पीढ़ी को महंगे उपहार के बजाय उनन्त किस्म के पौधे भेंट करने रीति अपनानी होंगी उक्त बातें युवा समाजसेवी एवम केंद्रीय इलाहाबाद विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र के शोधार्थी छात्र अभिषेक सिंह पटेल नें करछना विकासखण्ड के नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को पौधा भेंट करके

सम्मानित किये इस अवसर पर श्री पटेल ग्राम प्रधानों के सम्मान मे यह भी बोले कि ग्राम प्रधान विकास की प्रथम कड़ी होती हैं अतः एक प्रधान से अधिक ग्राम सभा का विकास एवम समस्या का ज्ञान शायद ही किसी अन्य जनप्रतिनिधि को हों इसलिए सभी लोग प्रधान गणों का समुचित सम्मान करने के साथ विकास कायी मे सहयोग करने की भी अपील किये।इस अवसर पर ग्राम प्रधान भस्मा अरई के ग्राम प्रधान अशोक कुमार पटेल सहित अन्य लोगों भी शोध छात्र अभिषेक पटेल के द्वारा एग्जोरा, कदम्ब, पीपल, लीची आदि का पौधा भेंट करके सम्मानित किया गया।

दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का लाभ लेने के लिए पात्र दिव्यांगजन करें ऑनलाइन आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री नन्द किशोर याज्ञिक ने बताया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत नव विवाहित दम्पत्ति में केवल युवक के दिव्यांग होने की दशा में रू0 15,000/- एवं केवल युवती के दिव्यांग होने की दशा में रू0 20,000/- तथा युवक-युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रू0 35000/- धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान की जाती है। योजना की निर्धारित पात्रता शर्तें में शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो एवं युवती की उम्र 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक न हो। दम्पत्ति में कोई आयकर दाता की श्रेणी अंतर्गत न हो। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांगता प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए। विवाह उ0प्र0 मैरिज रजिस्ट्रेशन नियमावली, 2017 अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। शादी 01 अप्रैल, 2020 के पश्चात् सम्पनन् होनी चाहिए।

योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु दिव्यांगजन को ूूूः// गर्न्बेुर्रेह.ल्ध्स्.ुदन.ग्ह पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया पूर्ण किया जाना है। ऑनलाइन आवेदन भरते समय आवेदक को दिव्यांगता प्रर्दशित करते हुए संयुक्त नवीनतम फोटोग्राफ, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, युवक एवं युवती के आयु का प्रमाण पत्र (जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो), दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाते की पासबुक एवं युवक/युवती के आधार कार्ड की प्रति अपलोड किया जाना आवश्यक है।

जनता की समस्याओं को निराकरण कराने के लिए प्रतिबद्ध हूँ और सेवक के रूप में काम कर रहा हूँ-सिद्धार्थ नाथ सिंह

शहर पश्चिमी में क्षतिग्रस्त पुल का पुनः निर्माण एवं यमुना नदी के किनारे गांवों में बनेगा बांध

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर पश्चिमी में यमुना के किनारे गांव में बांध बनेगा यह बातें कैबिनेट मंत्री मा0 सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बक्शी मोड़ा, गोहठी करेंहदा,मदारीपुर और मैनापुर गांव में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में दौरा करने के उपरांत कहीं।

मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह शुक्रवार को बक्शी मोड़ा,गोहठी करेंहदा,मदारीपुर और मैनापुर में विगत दिनों यमुना का जल स्तर बढ़ने से गांव में पानी भरने व आवागमन मार्ग बंद होने की खबर पर पहुँचे। जिला प्रशासन ने नावों को भेजकर आवगमन का साधन बना दिया था।दो दिनों से बारिश न होने से बड़ी तेजी से यमुना नदी से जलभराव घटने लग गया है।बक्शी मोड़ा में बारिश व बाढ़ से गिरे मकान को देखा।स्थानीय नागरिकों से संवाद किया, जिसपर सुनील कुमार गुप्ता,बसंती प्रजापति को राहत

सामग्री दिया और अभय निषाद का घर गिरने पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास के लिए एसडीएम सदर को निर्देशित किया। करेंदहा गोहठी करेंहदा गांव में पीड़ित गांव वासियों ने बताया कि पुलिया न होकर रपटा बना हुआ है जो काफी नीचे होने के कारण जब भी बारिश होती तो रपटा के ऊपर पानी बहने के कारण आवागमन बंद हो जाता रहा है।पीडब्लूयूडी के इंजीनियर को कहा कि पुल का प्रस्ताव बनाकर भेजें यहाँ पर ऊँचा पुल बनेगा।मदारीपुर गांव जाते समय बिसौना गांव वासियों ने रास्ते में ही मंत्री की गाड़ी को रोका और हर साल यमुना नदी का पानी से होने वाले नुकसान से रूबरू कराया।यह समस्या पिछले 20-25 सालों से जब भी भारी बारिश होती है तो हजारों किसानों की फसल डूब जाते है फसल नष्ट हो जाने के कारण किसानों के समक्ष भुखमरी की समस्या बन जा रही है।किसानों ने कहा ककरहा घाट यमुना के किनारे बांध बना दिया जाए तो समस्या का निराकरण हो जाएगा। किसान उत्पादन बढ़ाकर अपनी दुगुनी आय कर सकेगा।किसानों के अनुरोध पर शहर पश्चिमी में यमुना के किनारे किनारे बांध बनाने का सिंचाई विभाग आदेशित करते हुए जल्द जल्द प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया।योगी सरकार किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं को निराकरण कराने में प्रतिबद्ध है। मदारीपुर गांव में गांव वासियों ने सिंगल लेन की सड़क से होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया,जिसपर पीडब्लूयूडी अधिकारी को सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन में भेजने को कहा।मैनापुर गांव में आयी बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल और धसी सड़क का निरीक्षण किया।पीडब्लूयूडी अधिकारियों से कहा कि स्थायी समाधान का मार्ग तलाशें जिससे भविष्य में गांववासियों को बाढ़ से कठिनाई न हो।मंत्री मा0 सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि शहर पश्चिमी का गांव काफी पिछड़ा इलाका था। पूर्व की सरकारों ने गांववासियों के कुछ भी नहीं किया होता तो आज शहर पश्चिमी का गांव बाढ़ से प्रभावित न होते।अब 30-35 सालों की खाई पाटने का भरकस प्रयास कर रहा हूँ। जनता की समस्याओं को निराकरण कराने के लिए प्रतिबद्ध हूँ और सेवक के रूप में काम कर रहा हूँ।इस मौके पर अनिल सिंह, कमलेश कुमार, राजू राय, रामलोचन साहू,देवेश सिंह,रमेश पासी, रामजी शुक्ला,प्रेम नारायण केसरवानी, ज्ञान बाबू केसरवानी, संजय श्रीवास्तव, मंजीत कुशवाहा,श्याम पाल, राजाराम पाल, श्रवण पाल, राजेश सिंह पटेल, रंजीव सिंह पटेल,राजेश सिंह,प्रदीप केसरवानी उर्फ शिब्बू,अंजनी यादव, कमलेश सिंह,सुरेश पासी,रामजी सोनकर,विपिन साहू सहित एसडीएम सदर, उपायुक्त उद्योग, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी,पीडब्लूयूडी अभियंता,थाना प्रभारी करेली, पिपरी, धूमनगंज पुलिस सहित उपस्थित रहे।

महापौर ने किया बाढ़ ग्रस्त इलाको में निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महापौर प्रयागराज अभिलाषा गुप्ता नन्दी द्वारा नारायणपुरम, करेलाबाग, ककराहाघाट के बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र जिन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी कम हो गया चेतना इंटर कॉलेज करेली व डीएवी इंटर कॉलेज मीरापुर बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम श्थ् कान्वेंट स्कूल करेलाबाग नारायणपुरम ठाकुर हर नारायण सिंह डिग्री कॉलेज उसकी आसपास की बस्तियों का निरीक्षण किया गया । जहां पर बाढ़ का पानी कम होने के कारण काफी जलकुंभी एवं गंदगी थी जो कि नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लगाकर सफाई एवं कीटनाशक के छिड़काव का कार्य कराया गया । इसके अतिरिक्त उक्त क्षेत्र में खाली प्लाटों में वहां का पानी भरा पाया गया । क्षेत्रीय पार्षद एवं स्थानीय लोगों द्वारा उक्त के पानी का निकलवाने का अनुरोध किया गया। ी व्याप्त थी जिसे तत्काल रोबोट व मैनुअल सफाई कर्मी लगाकर सफाई करने के निर्देश दिए गए । बाढ़ राहत शिविर चेतना इंटर कॉलेज करेली में बाढ़ से ग्रसित 57 परिवार के 235 लोग निर्वाचित पाए गए जिन्हें माननीय महापौर द्वारा राहत सामग्री का वितरण किया तथा प्रशासन के लोगों से तत्काल उक्त स्थान पर सैनिटाइजर तथा मांस वितरण हेतु भी कहा गया सभी लोग प्रशासन की व्यवस्था से खुश दिखे। बाहर राहत शिविर डीएवी इंटर कॉलेज मीरापुर में वहां से ग्रसित 26 परिवार के 95 लोग निवासी पाए गए।

एनडीआरएफ की टीम के साथ आईजी प्रयागराज के पी सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों मैं बाटी राहत सामग्री

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महानिरीक्षक के पी सिंह ने प्रयागराज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का एनडीआरएफ की टीम के साथ दौरा किया साथ ही बाढ़ प्रभावितों का हाल जाना तथा बाढ़ पीडि़तों को राहत सामग्री बाटी त् दिन रात राहत बचाओ अभियान में जुटे हुए एनडीआरएफ के जवानों और उनकी कर्तव्यनिष्ठा एवं मानव सेवा को खूब सराहा और एनडीआरफ के कमांडेंट श्री मनोज कुमार शर्मा के निर्देश में बचाओ अभियान में जुटी उनकी टीम को प्रोत्साहित कियात् एनडीआरएफ की टीम ने छोटा बघाड़ा ,बड़ा बघाड़ा सलोनी इत्यादि बाढ़ इलाकों से अनेक लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है कई जगहों पर एनडीआरएफ की टीम प्रशासन के साथ मिलकर राहत सामग्री वितरण करने में भी अपना

सहयोग दे रही हैत् बाढ़ की विभीषिका से लोग बुरी तरह त्रस्त हैं उनकी स्थिति में एनडीआरएफ उनके साथ है और हर मुश्किल घड़ी में सहायता के लिए तत्पर है त्वाराणसी से आई 25 सदस्य एनडीआरएफ की टीम ने सदर तहसील के छोटा बघाड़ा ,बड़ा बघाड़ा ,सलोरी मैं जिला प्रशासन के साथ श्री मनोज कुमार शर्मा कमांडेंट के निर्देश में टीम कमांडर निरीक्षक दिनकर त्रिपाठी , सहायक उपनिरीक्षक संचार जितेंद्र कुमार सिंह ,सहायक उप निरीक्षक सी .के .कमान ,मुख्य आरक्षी पीसी रमोला ,अजय, नीरज कुमार सिंह रामवृक्ष, रेस्क्यूवर राजकुमार निशु कुमार, गंभीर कुमार सिंह, दिनेश कुमार ,हिमांशु धर्मेंद्र ,हरिओम, विपिन कुमार दुबे, अभिषेक , सौरभ सरोज , विकास कुमार धर्मेंद्र कुमार चौधरी , राजेश , विनोद ,ने बाढ़ में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया तथा जरूरतमंद लोगों को राहत सामग्री का वितरण कियात

चिराग पासवान प्रयागराज में अगमान आज

प्रयागराज। लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवानि आज प्रायागराज आगमन होगा। सुबह 11,30 बजे हवाई अड्डे पहुंचे गे 12 पूर्व सांसद स्वागन्य सशी प्रकाश के छोटे भाई व मसुर्यादीन के बेटे सत्य प्रकाश की मृत्यु उपरांत उनके शुकाकुल परिवार को संतावना प्रकट करने दिल्ली से प्रायागराज आगमन होगा। यह जानकारी महानगर अध्यक्ष राकेश कुमार ने ने दिया है जिसमें सभी कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत की अपील की।

आस्थाः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या द्वारा नाग पंचमी पर्व के पावन अवसर पर प्रयागराज के मनकामेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान मनकामेश्वर जी का रुद्राभिषेक कर पूजन-अर्चन किया और प्रदेश वासियों के उत्तम स्वास्थ्य व कल्याण हेतु प्रार्थना की।

करैली के गड्ढा कालोनी मे यमुना के बाढ़ का पानी घटा तो दुर्गंध व गन्दगी ने घेरा

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा व यमुना के जलस्तर मे घटाव आने से जहाँ करैली के गड्ढा कालोनी सलोरी,बघाड़ा,बलुवाघाट, कीडगंज आदि के कुछ घरों के सामने से बाढ का पानी हट तो गया लेकिन निगम प्रशासन की उपेक्षा व अन्देखी से मुहल्ले वासीयों के सामनी गन्दगी व दुर्गन्ध का साम्राज्य लोगों को इसी मे ज़िन्दगी गुज़ारने को मजबूर कर रहा है।करैली के अधिकान्श बाढ़ ग्रस्त इलाको मे पानी के घटने पर लोगों के सामने कीचड़,दुर्गन्ध और मच्छरों के मंडराने के साथ बिमार होने का खतरा भी मंडरा रहा है।लोगों की शिकायत पर कोई सक्षम अधिकारी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो समाजसेवीयों ने खुद से गलीयों मे सफाई कराई खुद के खर्च पर दवा व गैमेक्सीन पाऊडर का छिड़काव कराया।क्षेत्रिय समाजसेवी मो0तहज़ीब अहमद जिनके राहत कैम्प से लगातार बाढ़ ग्रस्त लोगों के घरों मे खाने व पीने के पानी को लोगो तक लगातार पाँच दिनो से पहौँचाया जा रहा है तो वही आज बाढ के पानी के घटने पर तहज़ीब अहमद ने क्षेत्र मे सफाई कराने के साथ चूना व गैमेक्सीन के पाऊडर का छिड़काव कराया।वहीं आज भी पानी घटने पर पूर्व विधायक हाजी परवेज़ अहमद,सपा महानगर अध्यक्ष सै0 इफ्तेखार हुसैन, महासचिव रवीन्द्र यादव,उपाध्यक्ष मोइन हबीबी,मो0 तहज़ीब अली,सै0 मो0 अस्करी,सैफ फरीदी,नदीम अली आदि नेताओं ने बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर राहत का जायज़ा लिया वही शासन प्रशासन से बाढ़ वाले क्षेत्रों मे सफाई पर ध्यान देने और गैमेक्सीन पाऊडर के छिड़काव कराने के साथ सरकारी डाक्टरों से बाढ ग्रस्त लोगों के निशुल्क इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में उद्यम की स्थापना हेतु ऋण की सुविधा उपलब्ध

प्रययागराज। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का क्रियान्वयन उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। उक्त योजनान्तर्गत अधिकतम रु0 25.00 लाख तक का ऋण बैंक के माध्यम से उद्यम की स्थापना हेतु प्रदान किया जाता है। योजना में सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट काष्ट का 25 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग तथा महिला उद्यमियों को प्रोजेक्ट कास्ट का 35 प्रतिशत मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा अनुमन्य है। योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की वित्त पोषित इकाइयों को अधिकतम 13 प्रतिशत तक ब्याज उपादान की सुविधा तीन वर्ष तक दिये जाने का प्रविधान है। योजनान्तर्गत आनलाइन आवेदन ही अनुमन्य है तथा कोई भी आवेदक ".व्रम्दहत्गहा,दन.ग्ह की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है तथा वेबसाइट पर योजना के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध है। उक्त योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में उद्यम की स्थापना हेतु इच्छुक उद्यमी/लाभार्थी से आनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित है। अधिक जानकारी हेतु जनपद के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी से सम्पर्क भी कर सकते है।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में आबकारी, विधि एवं कानून व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक संपन्न

अवैध शराब बनाने व बेचने से संबंधित माफियाओं एवं उनके परिवारजनों/संबंधियों को लाइसेंस ना मिले यह सुनिश्चित कराने हेतु विशेष सर्विलांस टीम गठित करने के निर्देश

प्रभावी प्रॉसीक्यूशन एवं प्रवर्तन के कार्य ना होने से मंडलायुक्त ने जताई नाराजगी

अखंड भारत संदेश

मंडलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में आबकारी एवं विधि और कानून व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक आज गांधी सभागार में संपन्न हुई जिसमें आपराधिक बैकग्राउंड वाले व्यक्तियों के परिजनों को भी आबकारी लाइसेंस ना मिले यह सुनिश्चित कराने हेतु विशेष सर्विलांस टीम गठित करने के निर्देश दिए गए। इस टीम में पुलिस एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ राजस्व अधिकारियों को भी जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

विगत बैठकों में मंडलायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया था की अपराधिक बैकग्राउंड वाले व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के बैंक खातों

की डिटेल्स निकलवा कर पुलिस एवं आबकारी विभाग द्वारा बैकग्राउंड की जांच की जाए जिससे फाइनैंशल ट्रेल ट्रेस करने में सहायता मिलेगी। इस विशेष टीम का कार्य मंडल के सभी जनपदों से संदिग्ध व्यक्तियों, जिनको आबकारी लाइसेंस मिल चुका है, का चिन्हीकरण कर उनके बैंक खातों, ऋण चुकाने की क्षमता (सॉल्वेंसी) एवं इनकम टैक्स रिटर्न के आधार पर उनकी आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करना होगा। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ आबकारी एवं आईपीसी धाराओं के तहत कार्यवाही की जाएगी तथा उनका लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।मंडलायुक्त ने जनपद स्तर पर विधि एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए प्रवर्तन के कार्यों में धीमी गति पाने पर उसमें और सुधार लाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक श्री के पी सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी, जिलाधिकारी, प्रतापगढ़, श्री नितिन बंसल, जिलाधिकारी, प्रयागराज, श्री संजय खत्री, पुलिस अधीक्षक, नगर, श्री दिनेश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

मंत्री नन्दी ने अल्पसंख्यकों को वितरित किए 91 लाख के लोन और शादी अनुदान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड की ओर से आज चंद्रशेखर आजाद निरीक्षण भवन सभागार में टर्म लोन वितरण एवं पुत्री शादी अनुदान योजना की राशि वितरण एवं स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के नागरिक उड्डयन, अल्पसंख्यक कल्याण, राजनीतिक पेंशन, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री एवं प्रयागराज शहर दक्षिणी विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने की। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने टर्मलोन योजना के तहत प्रयागराज के 20 लोगों 81.10 लाख रुपए का ऋण वितरित किया। वहीं अल्पसंख्यक समुदाय के गरीब लोगों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के तहत 50 लोगों को 20 - 20 हजार रुपए का अनुदान दिया गया। अनुदान स्वीकृति पत्र वितरित किया गया। वहीं ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत एचडीएफसी बैंक की मदद से मंत्री नन्दी द्वारा एक क्लिक करते ही तत्काल स्वीकृत धनराशि लोगों के खाते में पुत्री की शादी के लिए स्थानांतरित कर दी गई। अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम की ओर से विभिनन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए जागरूकता शिविर

आयोजित किया गया। जिसमें लोगों को स्वैच्छिक ऋण एवं टर्मलोन योजना के तहत जागरूक किया गया। आवेदन पत्र भरवाया गया।

मंत्री नन्दी ने टर्म लोन वितरण एवं पुत्री शादी अनुदान योजना की राशि के वितरण कार्यक्रम में शामिल लाभार्थियों का स्वागत किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि पहले की सरकारों ने प्रदेश के अल्पसंख्यकों का केवल वोट लिया और उन्हें उनकी बदहाली पर छोड़ दिया, अल्पसंख्यकों का इस्तेमाल केवल वोट बैंक के रूप में किया। लेकिन आज हमारी केंद्र और प्रदेश सरकार अल्पसंख्यकों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मंत्री नंदी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल व अन्य बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब तक 52 राजकीय इंटर कालेज, 3 राजकीय पॉलिटेकिन्क, 18 राजकीय आईटीआई, 9 छात्रावास, 31 सदभाव मंडल, 127 पेयजल परियोजनाएं, 2437 स्मार्ट क्लासेस सहित कुल 3400 इकाइयों की स्थापना की जा चुकी है! साथ ही लगभग रु 1550 करोड़ के नए प्रस्ताव भारत सरकार को स्वीकृति हेतु भेजे गए हैं! मंत्री नन्दी ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों के उज्जवल भविष्य और बेहतर शिक्षा के लिए हमारी सरकार ने पिछले चार वर्षों में 31 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को रु 1337 करोड़ की छात्रवृत्ति केंद्र सरकार की और 28 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को रु 1219 करोड़ की छात्रवृत्ति प्रदेश सरकार की ओर से प्रदान की गई है!

नागपंचमी पर घर-घर पूजे गए नागदेव, मांगी गई मन्नतें

प्रतापगढ़। शुक्रवार को नागपंचमी के पर्व पर घर-घर नागदेवता की पूजा हुई। महिलाओं ने सुबह पारंपरिक पूजन स्थल, मंदिरों में पहुंचकर दूध-लावा सहित पूजन सामाग्री अर्पित कर नागदेवता की विधि-विधान से पूजा की। मंदिरों व नदियों के तट पर पुरोहितों ने कालसर्प योग की शांति कराई। वहीं गांवों में बगीचों में जगह- जगह झूले का आयोजन हुआ। कजरी व पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण गूंजायमान हो उठा।

बगीचों में झूले पर महिलाओं ने गाया कजरी गीत

नागपंचमी के पर्व पर नागदेवता की पूजा होती है। पौराणिक मान्यता है कि नागपंचमी नागदेवता के पूजन का विशेष दिन है। पूजन-अर्चन करने से वह परिवार की रक्षा करते हैं। कभी कोई बला नहीं आती। शुक्रवार को नागपंचमी के दिन महिलाएं नाग देवता की पूजा के लिए पारंपरिक पूजन स्थलों के लिए चल पड़ीं। शहर के स्टेशन रोड, मां बेल्हा देवी धाम स्थित सई नदी के तट पर, सीताराम धाम, दहिलामऊ स्थित शिवमंदिर सहित शहर के सभी पारंपरिक पूजन स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं ने नागदेवता की विधि-विधान से पूजा की। इस दौरान नाग देवता से परिवार की सलामती की दुआएं मांगी। वहीं अंचल के रानीगंज क्षेत्र में रामापुर स्थित गुड़िया का तालाब, सहिजवार, रस्तीपुर, गौरा, थरिया, सुवंसा, जामताली में भी महिलाओं ने पारंपरिक स्थलों पर नागदेवता की पूजा कर मन्नतें मांगी। पट्टी, लालगंज, कुंडा व सदर क्षेत्र में भी जगह-जगह महिलाओं ने पारंपरिक स्थानों पर दूध, लावा अर्पित कर नागदेवता की पूजा की। नागपंचमी पर शहर से लेकर गांव तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। आचार्य पंडित आलोक मिश्र ने बताया कि नागपंचमी पर नागदेवता की विशेष पूजा की जाती है। वह घर-परिवार की रक्षा करते हैं।

शिवालयों में हर-हर, बम-बम की गूंज

प्रतापगढ़। नागपंचमी के पर्व पर शुक्रवार को पौराणिक शिवालयों में भक्तों की भीड़ रही। धतूर, मदार, बेलपत्र आदि अर्पित कर भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर मत्था टेका। परिवार की सुख-शांति की मन्नतें मांगी। दिनभर दर्शन-पूजन का दौर चला। बाबा बेलखरनाथ धाम में भोर में महाआरती के बाद दर्शन-पूजन का क्रम शुरू हुआ। सोशल डिस्टेंसिंग के बीच दर्शन-पूजन हुआ। महिलाओं ने मंदिर परिसर में नागदेवता को दूध-लावा अर्पित किया। हौदेश्वरनाथ में भी दर्शन-पूजन को लेकर भक्तों की भीड़ रही। यही हाल लालगंज क्षेत्र में स्थित घुइसरनाथधाम का भी रहा। भक्तों ने सोशलडिस्टेंसिंग के बीच दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद लिया।

भाइयों ने निभाई गुड़िया पीटने की परंपरा

प्रतापगढ़। नागपंचमी पर सदियों से चली आ रही गुड़िया पीटने की परंपरा इस बार भी भाइयों ने निभाई। रानीगंज, लालगंज, पट्टी, कुंडा व सदर क्षेत्र में तालाबों में भाइयों ने कपड़े से निर्मित गुड़िया फेंकी। भाइयों ने डंडे से उस पर प्रहार करने के साथ परंपरा निभाई। इस दौरान भाइयों द्वारा बहनों की रक्षा का संकल्प लिया गया।

प्राचीन हनुमान मंदिर स्थित तालाब पर महिलाओं ने किया पूजन

प्रतापगढ़। चिलबिला स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के समीपस्थ तालाब पर महिलाओं ने विधि-विधान से नागदेवता की पूजा की। दूध-लावा आदि अर्पित कर परिवार की सलामती की मन्नतें मांगीं। मंदिर के महासचिव समाजसेवी रोशनलाल ऊमरवैश्य ने बताया कि कोरोना वायरस के चलते इस बार मंदिर परिसर में पारंपरिक मेला व दंगल का आयोजन नहीं हो सका।

खेत मे लगे तार मे करंट आने से मासूम की मौत, कोहराम

परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर जताया आक्रोश, पीएम के लिए गया शव

लालगंज प्रतापगढ़। कोतवाली के चोप सिंह रामपुर बावली मे खेत मे कंटीले तार मे करंट आने से मासूम की मौत हो गयी। गांव के सिराजुद्दीन के पुत्र मो. असलम ने दी गई तहरीर मे कहा है कि शुक्रवार को सुबह सात बजे उसका भतीजा अनीस 07 पुत्र मो. अहमद अपना खेत देखने गया था। तभी गांव के छोटे लाल सरोज के खेत के पास एक मवेशी विद्युत करंट से मर गया था। भतीजा अनीस जब उधर गया तो वह भी अवैध विद्युत करंट की चपेट मे आ गया। इससे मौके पर ही मासूम की मौत हो गयी। जानकारी होने पर बदहवास परिजन मौके पर पहुंचे और अनीस को लालगंज सीएचसी ले आये। यहां चिकित्सको ने अनीस को मृत घोषित कर दिया। इधर पीड़ित मो. असलम ने पुलिस को तहरीर देकर गांव के एक आरोपी पर खंभे मे अवैध केबिल से अर्थ देने का आरोप लगाते हुए विभागीय अवर अभियंता पर भी बदनीयती का आरोप लगाया है। हालांकि स्थानीय सीएचसी प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने मृतक अनीस के शव का पंचनामा किया। दोपहर बाद शव को पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया गया। इधर करंट से मासूम की मौत को लेकर परिवार मे कोहराम मच गया। मृतका की मां अंजुमन निशा तथा भाई मो. अतीक व आजम दहाड़ मारकर रोने बिलखने लगे। वहीं विद्युत महकमे मे भी हड़कंप का माहौल दिखा। कोतवाल रणजीत सिंह भदौरिया का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद घटना के विभिन्न पहलुओं की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। घटना को लेकर मासूम के परिजनो तथा गांव के लोगों मे आक्रोश भी देखा गया।

चार माह से बंद पड़ी सीएचसी कालाकांकर की एक्स-रे मशीन

संविदा कर्मियों को पैसा न मिलने से आ रही दिक्कतः चिकित्सा प्रभारी

परियावां, प्रतापगढ़। प्रदेश की योगी सरकार एक तरफ सरकारी अस्पतालों को सभी सुविधाओं से लैस करने के लिए पानी की तरह पैसे बहा रही है ताकि गरीब तबके

के लोगों का कम पैसे में अच्छा इलाज हो सके। सीएचसी कालाकांकर में लगभग चार माह से बन्द पड़ा एक्सरे मशीन अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। अस्पताल की एक्सरे मशीन के बन्द होने से मरीजों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। हड्डी सम्बन्धी एक्सरे के लिए प्राइवेट क्लीनिकों में मुँह माँगा पैसा देकर एक्सरे कराना पड़ रहा है, जिससे गरीबों की जेब ढीली पड़ रही है। इस बाबत जब सीएचसी चिकित्साप्रभारी डॉ मनोज कुमार वर्मा से जानकारी किया तो बताया कि जिले में 17 एक्सरे मशीन चलाने का काम लखनऊ डीजी हेल्प से संविदा कर्मचारियों को जिम्मा देते है। संविदा कर्मियों को समय से पैसा न मिलने से जिले के सभी 17 एक्सरे मशीन अस्पतालों के बन्द पड़े है। जब शासन की तरफ कोई पहल शुरू होगी तभी एक्सरे मशीन चालू हो सकेगी। एक्सरे मशीन के बन्द होने से मरीजों को दिक्कत उठानी पड़ रही है जिसकी जानकारी जिला मुख्यालय से लेकर लखनऊ डीजी हेल्प विभाग को है।

जल निगम का ट्रांसफार्मर जलने से पानी के लिए मचा हाहाकार

परियावां, पतापगढ़। कालाकांकर जलनिगम में पानी सप्लाई के लिए लगा 63 केवी का विद्युत ट्रांसफार्मर बीती रात लगभग एक बजे अचानक जल जाने से पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है लोगो को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जलनिगम में पानी की सप्लाई के 8 हॉर्स पावर का समर सेबल लगा है। जलनिगम के ट्रांसफार्मर से कुछ लोग चोरी से अवैध रूप से अपनी खेती की सिचाई करते है जब कि जलनिगम के आपरेटर शमीम अख्तर ने चोरी से ट्रांसफार्मर से बिजली का प्रयोग करने वालों को मना किया लेकिन नहीं माने जिससे रात को जलनिगम का ट्रांसफार्मर जल गया, जिसे बदलने के लिए जेई ओसामा सिद्दीकी प्रयास करने में लगे है।

किसान और राहगीरों के लिए मुसीबत बने छुट्टा मवेशी

पट्टी, प्रतापगढ़। छुट्टा मवेशी क्षेत्र में एक तरफ तो किसानों की फसल चट करते जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ से यह राहगीरों के लिए मुसीबत बने हुए है इस समय धान की रोपाई हो जाने के बाद उसकी हरियाली को छुट्टा मवेशी आसानी से चट करते जा रहे है। वही पट्टी चांदा रोड पर आए दिन तीन दर्जन से अधिक मवेशी उपाध्यायपुर से लेकर मुजाही बाजार के बीच में दिखाई देते हैं जिससे आते जाते हुए वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की की संभावना बनी रहती है। सरकार ने भले ही गौशाला बनाकर उसमें छुट्टा मवेशियों के रहने के लिए व्यवस्था कर दी है लेकिन सच्चाई तो यह है कि यह सिर्फ एक शोपीस बनकर रह गया है जिसमें न तो किसी प्रकार की कोई व्यवस्था है और ना ही उनके रहने का सही इंतजाम। बजट की कमी का बहाना बताकर प्रधान इसके लिए कोई व्यवस्था नहीं करते है तो प्रशासन भी इसके लिए कोई कठोर कदम नहीं उठा रहा है जिसके कारण कई बार मोटरसाइकिल या चार पहिया वाहन से जा रहे राहगीर इन मवेशियों से टकरा जाते है जिससे कई बार उनकी मौत का कारण भी बन जाते है।

ट्रक चालक की लापरवाही से महिला व्यवसायी की दर्दनाक मौत

शव रखकर नया माल गोदाम रोड पर लगाया जाम

प्रतापगढ़। नगर में भंगवा चुंगी के समीप नया माल गोदाम रोड पर किराने का दुकान रखकर जीवन यापन करने वाली 45 वर्षीय महिला आशा देवी को भंगवा चुंगी से तेज रफ्तार में नया माल गोदाम रोड पर जाने वाली ट्रक ने लापरवाही बरतते हुए कुचल दिया जिससे आशा देवी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। महिला दुकानदार की मौत से कोहराम मच गया।

चूंकि यह घटना नगर के भंगवा चुंगी के पास हुई थी इसलिये भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने ट्रक को फूंकने का प्रयास भी किया लेकिन पुलिस के हस्तक्षेप से ट्रक बच गई। यह घटना शुक्रवार की दोपहर एक बजे की है, तब से लेकर लगभग चार घंटे तक जाम लगा रहा। एसडीएम सदर मोहनलाल गुप्ता, सीओ अभय पाण्डेय व कोतवाली पुलिस घटना स्थल पर पहुंचे लेकिन परिजन आक्रोश में थे। उनका आरोप है कि महिला को जान बूझकर कुचला गया है। घटना के सम्बन्ध में मृतक के पुत्र सुजीत कुमार जायसवाल ने घटना की तहरीर कोतवाली में दी है। बता दें कि नया माल गोदाम रोड पर रेल क्रासिंग के पास रेलगाड़ियों की साइडिंग बनी है, जहां से ट्रकें अनाज और सीमेन्ट ढोते हैं। नया माल गोदाम रोड की चौड़ाई भी पतली है। ट्रकों के आवागमन से इस मार्ग पर दुपहिया वाहनों का सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता है। इसी की शिकार आज भंगवा चुंगी महिला दुकानदार हुई।

स्वतंत्रता दिवस पर आठ बजे फहराया जाएगा राष्ट्रीय ध्वजः जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि 15 अगस्त को जिले में 75वॉं स्वतंत्रता दिवस मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह व भव्यता के साथ मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम के आयोजन किये जायेंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के पर्व पर प्रत्येक कार्यालयों के समस्त अधिकारी/कर्मचारी अपने-अपने कार्यालय में ध्वजारोहण हेतु उपस्थित रहेंगें। ध्वजारोहण के समय सेशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन किया जाये। ध्वजारोहण के अवसर पर सरकार की परिलब्धियों की चर्चा अवश्य की जाये। जनपद के समस्त अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके कार्यालयों में गंदा, उल्टा या कटा-फटा तिरंगा झंडा कदापि न फहराया जाये। जिलाधिकारी ने 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के सम्बन्ध में बताया है कि प्रातः 7 बजे से से प्रातः 7.30 बजे तक जिला क्रीड़ा अधिकारी, क्षेत्राधिकारी नगर एवं उपजिलाधिकारी सदर द्वारा 5000 मीटर क्रास कन्ट्री रेस सोशल डिस्टेंसिंग को दृष्टिगत रखते हुई कराई जायेगी जिसमें विजेता को कलेक्ट्रेट में प्रातः 8 बजे पुरस्कृत किया जायेगा।

राजेन्द्र वर्मा बने कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के जिलाध्यक्ष

प्रतापगढ़। 30प्र0 कांग्रेस कमेटी द्वारा राजेन्द्र वर्मा को कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग का प्रतापगढ़ जनपद का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में राजेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग के तमाम साथी पार्टी से जुड़कर पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन पर राजेन्द्र वर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी व प्रदेश सचिव व प्रतापगढ़ प्रभारी जय करन वर्मा ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्र, बृजेन्द्र मिश्र, रोहित शुक्ल, डा0वी0के0सिंह, इरफान अली, राम लवट यादव, वेदांत तिवारी, अब्दुल रहमान, विपिन सिंह, आकाश मिश्र, सुरेश मिश्र, रामधन यादव, संतोष शर्मा, मातादीन वर्मा, अरविंद शर्मा, कृपा शंकर वर्मा, विजय प्रताप त्रिपाठी, अवध राज यादव, ब्रम्हादीन सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

अनुपम के नाम पर हो पार्क, चौराहा: रोटरी

प्रतापगढ़। रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेन्ट्रल ने एक्टर अनुपम श्याम ओझा के निधन पर शोक जताया है। बाबागंज स्थित लक्ष्मी काम्प्लेक्स में हुई शोक सभा में रोटरी की तरफ से शहर की किसी चौराहे या पार्क का नाम अनुपम के नाम पर रखने की मांग की गई। इस मौके पर संस्थापक सचिव रोटेरियन डॉक्टर शिवमूर्ति लाल मौर्य, राजेन्द्र खण्डेलवाल, उमेश प्रताप सिंह एडवोकेट, अश्विनी केसरवानी, संदीप प्रकाश खरे, शरद केसरवानी, सरदार करमजीत सिंह, मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट, अख्तर मसूद शार्फुद्दीन आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित किया एवं दो मिनट का मौन धारण कर के मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सांसद पर अभद्र टिप्पणी करने वाला कर्मचारी हुआ बर्खास्त

प्रतापगढ़। रानीगंज के राजापुर खरहर का निवासी आसुतोष पाण्डेय ने सोशल मीडिया पर सांसद संगम लाल गुप्ता पर जानलेवा हमले और अमर्यादित आचरण की टिप्पणी की थी। सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद आरोपी आशुतोष पर थाना कोतवाली नगर प्राथमिकी दर्ज हुई।

हिमांशु बने चैंपियन, सत्यम, प्रदीप और सर्वेश ने जीता गोल्ड

बीबीएफजी के तत्वावधान में भंगवा में हुई खेलकूद प्रतियोगिता

प्रतापगढ़। नागपंचमी के दिन बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के तत्वावधान में भंगवा गांव में हुई खेलकूद प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में हिमांशु सरोज चैंपियन रहे। जबकि जूनियर वर्ग में सत्यम ने कुश्ती, प्रदीप दौड़ और सर्वेश ने उत्कर्ष प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल हासिल किया। इस मौके पर टीचर राजेश कुमार ने कहा कि खेलकूद से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। शिक्षा के साथ खेल में भी मुकाम हासिल करना चाहिये। जिम्मेदारी ने लांग जम्प, कुश्ती और 100 मीटर की रेस जीती थी। जबकी सत्यम ने तीन राउंड कुश्ती में विपक्षी पहलवानों को धूल चटाई। प्रदीप 100 मीटर की दौड़ में प्रथम आये। तीनो खेलों में सर्वेश का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस मौके पर रोहित और शिव बहादुर निर्णायक की भूमिका में रहे। संचालन बीबीएफजी के सहयोगी शनि सरोज ने किया। खेल में लवकुश सरोज, साहिल, निखिल, सत्यम, शिवम समेत दर्जन भर खिलाड़ियों ने जोर आजमाया।

प्राचार्य की परीक्षा में डा0 अनुराग शुक्ल बने टॉपर

प्रतापगढ़। उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग द्वारा अनुदानित महाविद्यालयों के प्राचार्य की परीक्षा का परिणाम एवं वरीयता सूची घोषित कर दी गई है। मदन मोहन पीजी कॉलेज कालाकांकर के संस्कृत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अनुराग शुक्ल इस परीक्षा के टॉपर बने हैं। प्रतापगढ़ शहर का मूल निवासी होने के बावजूद डॉ अनुराग ने प्रतापगढ़ की बजाय आगरा कॉलेज आगरा को अपनी पहली प्राथमिकता दी है जहां उनका पदस्थापन निश्चित है। शहर के एमडी पीजी कॉलेज से सनतक करने वाले डॉ अनुराग ने एमडी पीजी कॉलेज को भी एक विकल्प के रूप में दिया है किंतु उनकी पहली प्राथमिकता आगरा कॉलेज आगरा ही है। प्रतापगढ़ जनपद में अपना पदस्थापन कराने के इच्छुक अभ्यर्थियों मे ज्यादातर ने अपनी पहली प्राथमिकता एमडी पीजी कॉलेज को दी है। प्राचार्य पद हेतु टॉपर डॉअनुराग शुक्ल के आगरा कॉलेज को वरीयता देने से डॉ मनोज मिश्र को एमडीपीजी आवंटित होने की संभावना बढ़ गई है क्योंकि डॉ मनोज मिश्र अन्य शिक्षकों से वरीयता क्रम में ऊपर तैंतीसवें स्थान पर हैं। वरीयता क्रम को देखते हुए जनपद से प्राचार्य पद हेतु चयनित अन्य शिक्षकों को प्रतापगढ़ आवंटित होने की संभावना कम है। प्रतापगढ़ जनपद से प्राचार्य पद हेतु 8 शिक्षक चयनित है जिनमें 5 एमडीपीजी कॉलेज के ही हैं। बताया जाता है कि वरीयता क्रम के अन्य जिलों में कार्यरत दो अन्य शिक्षकों ने भी प्रतापगढ़ के एमडीपीजी कॉलेज को प्राथमिकता दी है। एमडी पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ ए के श्रीवास्तव, जन सूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे तथा अन्य शिक्षकों ने भी जनपद से 8 शिक्षकों के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

एमडीपीजी कालेज में प्रवेश 16 से

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज मे बीए प्रथम वर्ष एवं बीएससी बायो प्रथम वर्ष में प्रवेश 16 अगस्त से होगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के जनसूचना अधिकारी डॉ सी एन पांडे ने बताया कि बीकॉम प्रथम वर्ष तथा बीएससी गणित प्रथम वर्ष में प्रवेश जुलाई माह से ही चल रहा है जबकि बीए प्रथम वर्ष एवं बीएससी बायो प्रथम वर्ष में प्रवेश 16 अगस्त से होगा। प्रवेश-कार्य प्रत्येक कार्य दिवस में पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे तक हुआ करेगा।

विवादित पोस्टरों को पुलिस ने हटाया

प्रतापगढ़। कुण्डा नगर क्षेत्र के टीपी इंटर कालेज की चहारदीवारी पर कुछ विवादित पोस्टर लगाये जाने से लोगों में आक्रोश था लेकिन पुलिस ने बिना समय गंवाए उन पोस्टरों को हटा दिया और अब स्थिति सामान्य है। बताया जाता है कि एआईएमएम के कुछ नेताओं की फोटो व उनके विवादित बयानों को पोस्टर में दर्शाया गया था जिससे साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका थी। इसे देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्यवाही की। बता दें कि टीपी इंटर कालेज राजा भइया के प्रबंध समिति का स्कूल है।

चोरो ने उड़ाई मंदिर से बाइक

परियावां, प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना क्षेत्र के ज्वाला देवी मंदिर से चोरो ने दर्शन करने गए श्रद्धालु की बाइक उड़ा दी। दर्शन करके वापस लौटने पर बाइक नदारद देख भौचक रह गए। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आलापुर निवासी जय प्रकाश जायसवाल पुत्र सूर्यबली जायसवाल अपने भाई पप्पू जायसवाल की काले रंग की अपाची बाइक लेकर अपनी पत्नी के साथ शुक्रवार की सुबह लगभग साढ़े दस बजे मानिकपुर थाना क्षेत्र के ज्वाला देवी मंदिर दर्शन करने गए, जहाँ गेट पर बाइक खड़ी करके लॉक कर दिया और मंदिर में दर्शन करने लगे। मंदिर से लौटने पर अपनी जगह खड़ी बाइक गायब देख घबरा गए। इधर उधर छानबीन किया लेकिन पता नहीं चल सका। घटना की तहरीर मानिकपुर पुलिस को दिया पुलिस ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे से फुटेज देखा तो उसमें बाइक ले जाते हुए युवक दिख रहा था लेकिन उसका साफ़ नहीं दिख रहा था। छानबीन में पुलिस लगी हुई है।

मंडलायुक्त ने बैठक कर दिए आवश्यक दिशा- निर्देश

अखंड भारत संदेश

भदोही। योगेश्वर राम मिश्र ने आज अपने कार्यालय के सभागार मे शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमो के प्रगति की जानकारी लेने के लिये मण्डलीय अधिकारियो के साथ बैठक की। बैठक मे विकास कार्यक्रमो के साथ-साथ कर एवं करेकत्तर राजस्व संग्रह तथा राजस्व कार्यो एवं कानून व्यवस्था के प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी मीरजापुर प्रवीण कुमार लक्षकार, जिलाधिकारी सोनभद्र अभिषेक सिंह, जिलाधिकारी महोदया भदोही आर्यका अखौरी पुलिस अधीक्षक मीरजापुर श्री अजय कुमार सिंह, एस0पी0 सोनभद्र व भदोही, वन संरक्षक विंध्याचल मण्डल, मुख्य विकास अधिकारी मीरजापुर श्रीलक्ष्मी वीएस, मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र व भदोही, अपर मण्डलायुक्त प्रशासन श्री रमेश चन्द्र, संयुक्त विकास मण्डलायुक्त श्री सुरेश चन्द्र मिश्र सहित सभी मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहें। सरकारी विभागो में विद्युत बिल वसूली प्रतिशत जनपद मीरजापुर में 22.20, भदोही 08.71 प्रतिशत, सोनभद्र में 50.26 प्रतिशत हैं। उक्त मद में जनपद मीरजापुर एवं भदोही को डी0 श्रेणी प्राप्त होगा। झटपट पोर्टल पर तकनीकी सम्भाव्यता एवं प्राकलन हेतु मीरजापुर में 74, भदोही में 03 एवं सोनभद्र में 66 प्रकरण लम्बित हैं। नयी सड़को के निर्माण के अन्तर्गत मीरजापुर में 88, भदोही 43 एवं सोनभद्र में 106 सड़को का निर्माण कराया जाना हैं। इसमें मीरजापुर में प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 द्वारा 07 सड़क ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा 17 मार्ग, जिला पंचायत द्वारा 16 सड़को के सापेक्ष निर्माण कार्य बहुत धीमा हैं। मण्डलायुक्त ने अधिशाषी अभियन्ता लो0नि0वि0 को निर्देश दिया कि मीरजापुर, मुहनोचवा क्षेत्र की खराब सड़क को आज शाम ही मरम्त कार्य शुरू हो जाना चाहियें। मीरजापुर में सेतु निगम द्वारा कुल 08 सेतुओ का निर्माण कराया जा रहा हैं। जिसके सापेक्ष केवल एक सेतु का कार्य पूर्ण हुआ हैं। भदोही में लो0नि0वि0 द्वारा 13 सेतु का निर्माण कराया जा रहा हैं। जिसमें प्रगति लगभग 57 प्रतिशत हैं। जनपद सोनभद्र में प्रान्तीय खण्ड द्वारा 03 सेतुओ का निर्माण कराया जा रहा हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत मण्डल की प्रगति 98.76 प्रतिशत हैं। संरक्षित गौवंश का प्रतिशत जनपद सोनभद्र में मात्र 89.15, भदोंही में 91.12 प्रतिशत हैं। पशुओ का टीकाकरण के अन्तर्गत मण्डल की प्रगति 18.08 प्रतिशत है। सोनभद्र में प्रगति सबसे कम 08.66 प्रतिशत हैं। मण्डलायुक्त प्रगति शत प्रतिशत पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इयर टैगिंग की प्रगति मीरजापुर में 91.84 प्रतिशत व सोनभद्र में 93.52 प्रतिशत हैं। मण्डलायुक्त इसे बढ़ाने का निर्देश दिया। हेल्थ एवं वेलनेस सेण्टरो को क्रियाशीलता का प्रतिशत मीरजापुर में 97.76, भदोही 97.14 एवं सोनभद्र 84.24 प्रतिशत हैं। बायोमेडिकल इक्यूपमेंट मेंटीनेंश अत्यन्त खराब मात्र 96.33 प्रतिशत हैं। 14वॉ वित्त आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष मण्डल में व्यय का प्रतिशत 51.80 है। मण्डलायुक्त ने इसे शत प्रतिशत व्यय करने का निर्देश दिया।

मण्डलायुक्त के निरीक्षण के दौरान भदोही में व सोनभद्र में 04 चिकित्सक अनुपस्थित पाये गये थें उनके खिलाफ विभागीय दण्डात्मक कार्यवाही करते हुये मण्डलायुक्त ने शत प्रतिशत चिकित्सको उपस्थित सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। आयुष्मान भारत योजनान्तर्गत जनपद सोनभद्र में उपचारित का प्रतिशत 97.47 हैं जबकि अन्य जनपदो की प्रगति शत प्रतिशत हैं। पुरूष एवं महिला नसबन्दी की अत्यन्त खराब प्रगति पर हेतु कुल 34 शिकायतो के सापेक्ष 06 प्रकरण शेष हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन मण्डल में उपलब्धतता के सापेक्ष व्यय मात्र 55.82 प्रतिशत हैं। जननी सुरक्षा अन्तर्गत प्रसव के उपरान्त भुगतान का प्रतिशत सोनभद्र में मात्र 80.79 प्रतिशत हैं। सोनभद्र में 08 सामुदायिक शौचालय का निर्माण शेष हैं पूर्ण सम्पत्तियो के सापेक्ष जनपद भदोही में 19 सोनभद्र 51 सम्पत्तियो का कायाकल्प कराया जाना शेष हैं। सोनभद्र में जियो टैग का प्रतिशत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष में 2021-22 में मीरजापुर में 51.98, भदोही में 3100 एवं सोनभद्र 61.77 आवासो के निर्माण का कार्य शेष है जिसे अक्टूबर 2021 तक पूर्ण कराने का लक्ष्य हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन समूह गठन की प्रगति मीरजापुर में 128.59, भदोही 40.74 एवं सोनभद्र 40.65 प्रतिशत हैं। भदोही एवं सोनभद्र की प्रगति खराब होने पर मण्डलायुक्त ने कड़ी फटकार लगाते हुये सुधार करने को कहा। मनरेगा योजनान्तर्गत सुजित मानव दिवस के सापेक्ष प्रगति का प्रतिशत मीरजापुर में 104.88, भदोही 86.09 व सोनभद्र 108.74 हैं। प्रधानमंत्री ग्राम योजनान्तर्गत भौतिक प्रगति सोनभद्र में 99.96 प्रतिशत हैं तो वही मीरजापुर में मात्र 48.68 प्रतिशत हैं जिसे शत प्रतिशत पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन में लक्ष्य के सापेक्ष मण्डल के तीनो जनपद में पूर्ति नही होने से मण्डलायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये पूर्ण करने को कहा। मण्डलायुक्त ने 02 माह से अधिक रिक्त दुकानो की तैनाती तत्काल कराने का निर्देश दिया। मण्डलायुक्त नें मण्डल के तीनो के जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी को रैण्डम आधार पर चिकित्सको की उपस्थिति, कृषि सिचाई एवं विकास कायी का सत्यापन कर अवगत कराने का निर्देश दिया। मा0 मुख्यमंत्री सामुदायिक विवाह में तीनो जनपदो में 225 विवाह लक्ष्य के सापेक्ष मात्र भदोही में 24 विवाह हुये है मण्डलायुक्त ने इसे शत प्रतिशत पूर्ण कराने का निर्देश दिया। कन्या सुमंगला योजना मे प्राप्त आवेदन के सापेक्ष अग्रसारित आवेदन का प्रतिशत जनपद मीरजापुर में 84.08 प्रतिशत व सोनभद्र में 76.57 प्रतिशत हैं। पोषण अभियान चिहिन्त बच्चो के सापेक्ष कृत कार्यवाही की प्रगति मण्डल तीनो जनपद में लगभग 76.07 प्रतिशत हैं। मण्डलायुक्त नें समाजिक वानकीकरण के अन्तर्गत रोपित किये गये पौधो के जीवित होने के सम्बन्ध में सत्यापन कराकर आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। आपरेशन कायाकल्प अन्तर्गत मीरजापुर की प्रगति 91.20, भदोही 83.07 व सोनभद्र 83.11 प्रतिशत हैं। ई-डिस्ट्रिक पोर्टल के माध्यम से सेवाओ-प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, एक जनपद उत्पाद योजना, निवेश पत्र पोर्टल, उद्योग बन्धु पोर्टल को शत प्रतिशत डिस्ट्रिक पोर्टल के माध्यम से सेवाओ को प्रतिशत किया जायें। श्रम विभाग के अन्तर्गत बधुआ मजदूरो का प्रकरण मीरजापुर 01, भदोही में 20 प्रकरण उप जिलाधिकारी न्यायालय में विचाराधीन है जिसे प्राथमिकता के आधार पर अविलम्ब निस्तारित किया जायें। श्रमिक पंजीयन एवं प्रधानमंत्री श्रम मान धन योजना में अधिक से अधिक श्रमिको को आच्छादित किया जायेगा। सहकारी देयो की अल्पकालीन व दीर्घकालीन, एन0पी0ए0 ऋण वसूली को बढ़ाये जाने पर बल दिया।

कर एवं करेत्तर राजस्व संग्रह तथा राजस्व कार्यो की समीक्षा करते हुये स्टाम्प रजिस्टेशन, आबकारी एवं अन्य मदो में प्रगति का निर्देश दिया। नगर विकास के अन्तर्गत अमृत योजना-जलापूर्ति, सीवर पार्क को निर्धारित समय में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया गया। कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुये मण्डलायुक्त ने मोटर साइकिल पर ट्रिपलिंग के खिलाफ अभियान चलाकर त्वरित एवं अनिवार्य कार्यवाही करने का निर्देश दिया तथा साथ ही साथ एन्टी रोमियो टीम द्वारा असमाजिक तत्वो पर नियंत्रण किया जायें। मण्डल के तीनो जनपदो के ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को जल्द ही कम्प्यूटराइज्ड करने को कहा। परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से नम्बर प्लेटो की चेकिंग अवैध ट्रको एवं डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। आबकारी एवं पुलिस टीम द्वारा कच्ची शराब भट्टियो एवं शराब दुकानो की रैण्डम चेकिंग कर आवश्यक कार्यवाही की जायें। बैठक में यूनिसेफ के डिविजनल रिसौस के श्री संतोष नें नवजात शिशु देखभाल, एच0वी0वाई0सी0, वी0 एच0 एन0 डी0, एच0आई0वी0, सिफलिस, कोविड, सम्भोग अभियान, एनीमिया मुक्त भारत, चाइल्ड प्रोटेक्शन प्रोग्राम एवं न्यूट्रीशन प्रोग्राम के विभिनन्‍ पहलुओ पर प्रकाश डाला।

जिला अधिकारी ने कोविड कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित करने के दिए निर्देश

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बताया कि वतर्मान समय में कोविड-19 कोरोना वायरस का संक्रमण अनलाक के पश्चात निरन्तर बढ़ने के कारण कोविड-19 से त्वरित बचाव व रोकथाम के दृष्टिगत रखते हुए जनपद में एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर स्थापित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उपर्युक्त पत्र में दिये गये निर्देश के अनुपालन में कोविड-19 नियंत्रण कक्ष जो पूर्व से जनपद में संचालित किया गया है जिसके नोडल अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्र अपर जिलाधिकारी भदोही को एकीकृत कोविड कमाण्ड सेन्टर का प्रभारी/नोडल अधिकारी नामित किया जाता है, जिनका सी0यू0जी0 मोबाइल नं0-9454417639 है। एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का नम्बर-9454416838 तथा दूरभाष संख्या 05414-250223 है, जो 24 घण्टे क्रियाशील रहेगा जिसके निमनंकित अधिकारीगण सदस्य होगें-पुलिस विभाग के अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक भदोही, जिला प्रशासन के अधिकारी अपर उप जिलाधिकारी ज्ञानपुर, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपर मुख्य चिकित्साअधिकारी भदोही, नगर विकास के अधिकारी प्रभारी अधिकारी स्थानीय निकाय भदोही, पंचायत राज विभाग के अधिकारी जिला पंचायत राज अधिकारी भदोही।

एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर राउण्ड द क्लाक क्रियाशील रहेगा, जिसके विभिनन्‍ कार्य एवं दायित्व होगें- प्रतिदिन घर-घर जाकर सैम्पलिंग करने की सर्विलांस टीम की कायर्योजना बनाना तथा इनके द्वारा किये जा रहे कायी की प्रगति प्रतिदिन समीक्षा करा व प्रगति आख्या शासन को भेजा जाना, टेस्टिंग की स्टेट्ठटजी बनाना एवं उसका क्रियावन्यन करना, त्वरित गति से कान्टेट्ठक्ट टेट्ठसिंग सुनिश्चित करना, किसी व्यक्ति के कोविड धनात्मक होने पर उसे तत्काल कोविड अस्पताल पहूँचाना, कोविड अस्पतालों की व्यवस्था को अनुश्रवण तथा मरीजों से रेण्डम आधार पर फोन करके व्यवस्था के बारे में फीटबैक लेना, एक केन्द्रीकृत व्यवस्था स्थापित करते हुए एम्बलेंस की सेवा को सुचारू रूप से संचालित कराना, जिससे मरीजों को तत्काल अस्पताल पहूँचाया जा सकें, साप्ताहांत में जनपद में सेनिटाईजेशन के विशेष अभियान पर अनुसरण करना, समस्त कोविड समर्पित चिकित्सा ईकाइ्यों में एडमिशन एवं डिस्चार्ज का रियल टाइम अनुश्रवण करना तदनुसार कोविड पोर्टल पर सूचनाओं को अपडेट करना, जनपद की समस्त समर्पित चिकित्सा ईकाइ्यों में सफाई एवं खान-पान की व्यवस्था का दैनिक अनुश्रवण करना, उपरोक्त के अनुक्रम में एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर में दिनांक 16 अगस्त 2021 से प्रत्येक दिन अग्रिम आदेश तक निमन्‍ प्रकार से अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गयी।

न्यायालय भदोही में मध्यस्थता केंद्र के लिए चयन प्रक्रिया जल्द

अखंड भारत संदेश

भदोही। सिविल जज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही आरिफ अहमद अंसारी ने बताया कि जनपद न्यायालय भदोही में स्थिति मध्यस्थता केन्द्र के लिये चयन किया जाना इस क्रम में उन्होने बताया कि ऐसे अधिवक्ता जिनके पास न्यायालय में कार्य करने का कम से कम 10 वर्ष का अनुभव हो, सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं ऐसे वृत्तिव/विशेषज्ञ, जिनके पास अपने-अपने क्षेत्रों में कम से कम 15 वर्ष का अनुभव हो और विधि के क्षेत्र से सुपरिचित हो और मध्यस्थ हेतु आवेदन किया जा सकता है। आवेदन करने वाले व्यक्ति उत्तर प्रदेश सिविल प्रक्रिया मध्यस्थता नियमावली 2021 के प्रस्तर 5 के अन्तर्गत न आते हों। मध्यस्थता हेतु आवेदन निर्धारित प्रारूप पर दिनांक 28 अगस्त 2021 तक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही के कार्यालय में प्राप्त कराया जा सकता है। आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही के कार्यालय अथवा जनपद न्यायालय भदोही की बेवसाईट से प्राप्त किया जा सकता है।

मकान के विवाद में पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र पर जांच करने पहुंचे क्षेत्राधिकारी

गोपीगंज/भदोही। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत चौकी क्षेत्र के खरहट्टी मोहाल के काफी पुराने के मकान के विवाद को लेकर रीता कुमारी पुत्री लल्लूराम गुप्ता ने एक शिकायती पत्र देते हुए पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई थी। शिकायती पत्र में उसने कहा कि विपक्षीगण उसकी छत को तोड़ दिए है। जिससे घर के अंदर बरसात का पानी आ रहा है । जिसको लेकर दोनो पक्षों में मारपीट भी हुई। डायल112 व चौकी पुलिस को खबर किया गया, जिसपर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत करा दिया। जब की वही रिताकुमारी ने शिकायती पत्र में अपने साथ चौकी पुलिस द्वारा उसके साथ गली देने व बदसलूकी करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर शुक्रवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक सिंह ने मौके पर पहुंच कर जांच करते हुए दोनो पक्षों से बात किया। मौके के मुआयना के बाद निष्पक्ष जांच कर कार्यवाही का आश्वासन देकर चले गए।

ट्रक की चपेट में आने से युवक घायल

गोपीगंज/भदोही। कोतवाली क्षेत्र के मिर्जापुर तिराहे के पास ट्रक की चपेट में आने से विशाल नामक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया जाता है की विशाल पुत्र भगवानदास शुक्रवार को नगर के मिर्जापुर रोड स्थिति रामलीला ग्राउंड के सामने से निकलकर साइकिल से आ रहा था। इसी बीच वह एक ट्रक की चपेट में आ गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तत्काल ही नजदीकी नर्सिंग होम में भर्ती किया गया, जहा उसकी हालत ठीक बताई जाती है। मिर्जापुर तिराहे पर मौजूद पुलिस वालों ने ट्रक को कब्जे में ले लिया।

कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास, धैर्य, सच्ची लगन सफलता के अनमोल सूत्र : अनिल विश्वकर्मा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। प्रतिभा कभी भी संसाधनों की मोहताज नहीं होती आज भी बहुतायात ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी ही आगे चलकर उच्च पदों पर आसीन होते हैं और सबसे गौरवान्वित पहलू यह हैं कि प्रयागराज के अति ग्रामीण क्षेत्र मे स्थित श्रीमती कमला स्मारक इंटर कालेज के विद्यार्थी आज देश के विभिनन्‍ स्थानों पर उच्च पदों पर आसीन होकर राष्ट्र की सेवा मे तल्लीन हैं जिसे देखकर बहुत ही आत्मिक सुकून एवम खुशी प्राप्त होती हैं उक्त बातें

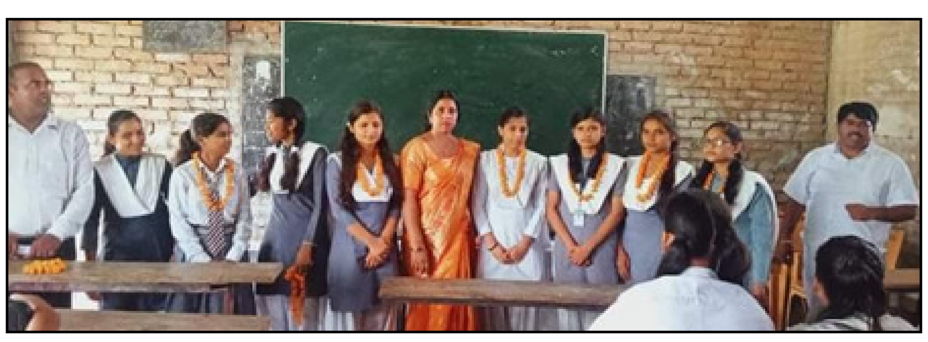

शुक्रवार को श्रीमती कमला स्मारक इंटर कालेज, बलापुर मे आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह मे विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका शर्मा हाईस्कूल एवम इंटर के मेधावियों को सम्मानित करते हुए बतौर मुख्य वक्ता के रूप मे बोल रहीं थी इस अवसर पर श्रीमती शर्मा नें आगे भी विद्याथिर्यों से खूब मन लगाकर पढ़ने एवम देशहित मे सहयोग करने की भी अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक श्रीअनिल विश्वकर्मा नें भी विद्याथिर्यों के उत्साह वर्धन मे अपने वक्तव्य के दौरान यह बोले कि विगत डेढ़ दशक से पूरे प्रयागराज मे विद्यालय के विद्यार्थी अव्वल स्थान प्राप्त करते आ रहें हैं।

साथ ही खेलकूद, विज्ञान इत्यादि क्षेत्रों मे भी विद्यालय के छात्र प्रदेश स्तर पर कई बार सम्मानित हों चुके हैं आगे श्री विश्वकर्मा नें यह भी कहा कि सच्ची लगन, कड़ी मेहनत, दूरदृष्टि, आत्मविश्वास ये ऐसे अमोघ अस्त्र हैं जिसके बल पर शिक्षा, साहित्य, विज्ञान, कला इत्यादि क्षेत्रों पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया जा सकता हैं।इस अवसर पर विद्याथिर्यों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण आदि सामाजिक विषयों पर उक्त संस्थान के प्रबंधक श्री अनिल विश्वकर्मा के द्वारा जागरूक किया गया। इस अवसर मुस्कान विश्वकर्मा, आदित्य यादव, आदित्य पाल, प्रिया भारती, रविता जैसल, पलक सिंह, आयुषी शुक्ला, अमन कुमार पटेल, सानिया, अनुष्का पाल, शमशेर पटेल, नेहा गौतम समेत 51मेधावी छात्र एवम छात्राओं को सम्मानित किया गया।

गुड़िया अब पिटेगी नहीं लड़ेगी अब पढ़ेगी लिखेगी बनेगी अफसर डाक्टर

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर मे नागपंचमी पर्व के दिन प्रगतिशील महिला संगठन की सदस्यों ने नागपंचमी पर्व के दिन तालाब मे गुड़िया को फेंक पिटाई किए जाने की परंपरा के विरोध में हांथो में विभिनन्‍प्रकार की गुड़िया की अधिकारो की लिखी स्लोगन की तख्तियां बैनर लिए कई गांवो में रैली निकालते हुए विरोध प्रदर्शन किया।क्षेत्र के विभिनन्‍ गांवों से आयी महिलाए युवतियों व बच्चियों ने हाथो में सुसज्जित स्लोगन युक्त तख्तियां, झण्डे,बैनर लिए नारे लगाई गुड़िया पीटना बंद करो,गुड़िया पिटेगी नहीं गुड़िया लड़ेगी,गुड़िया पिटेगी नहीं गुड़िया पढ़ेगी,गुड़िया पर अत्याचार बंद करो,गुड़िया के साथ बलात्कार बंद करो,गुड़िया को जलाना बन्द करो,बलात्कारियों की रक्षा बंद करो,दिल्ली की गुड़िया के बलात्कारियों, हत्यारों को सजा दो,दहेज प्रथा पर रोक लगाओ, बच्चियों, महिलाओ के साथ अत्याचार बंद करो। कड़े कानून बनाओ और अत्याचारियों, बलात्कारियों को फांसी दो। गुड़िया के अधिकारो के नारे बुलंद किए। और रसोई गैस की कीमत कम करने और मनरेगा में महिलाओ की भागीदारी और मजदूरी पांच सौ रूपए और बराबर काम और बराबर दाम देने की मांग की। रैली का नेतृत्व आकृति सागर, किरण देवी, गुंजा, गुड़िया, श्यामवती, रागिनी निषाद, चद्रावती, उषा , सुनीता, पुष्पा, फूलकली, सुषमा, शांति, रूबी शीला निषाद,आदि महिलाओं ने की। रैली क्षेत्र के कई गांवों से होते हुए घूरपुर बाज़ार से होते हुए थाने से होकर वापस गांव बीकर मे समापन किया गया।

झील में तब्दील मोढ़ बाजार का मुख्य मार्ग

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के मोढ़ रेलवे स्टेशन और बाजार जाने वाला मुख्य मार्ग जलमगन्‍ सालों से बारिश में यहां के व्यापारी परेशान हो जाते हैं। हल्की बारिश में भी सड़क झील में तब्दील हो जाती है। यह सड़क दो-तीन दिन लगातार बारिश हुई तो घरों के अंदर घुस जाता है। पानी एक दशक पहले अर्चना सरोज जिला पंचायत अध्यक्ष हुई थी तो यह सड़क बना था तब से लेकर आज तक यह सड़क रिपेयर भी नहीं हुआ जहां एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गड्ढा मुक्त उत्तर प्रदेश का दावा कर रहे हैं । वही सालों से गड्ढा युक्त इस सड़क में किसी प्रशासनिक अधिकारी का ध्यान नहीं पड़ा। पीडब्लूयूडी के अधिकारियों से कई बार शिकायत करने पर उन्होंने कहा यह सड़क आर इ एस से बना है। यह हमारा मामला नहीं है, कह कर पल्ला झाड़ लेते हैं। इस सड़क से होते हुए यूनियन बैंक, काशी ग्रामीण बैंक, टेलीफोन एक्सचेंज, पशु अस्पताल, डाक घर सहित दर्जनों कपड़ों के सौंदर्य प्रसाधन खाद्य पदार्थ सहित अन्य दुकानों पर पानी में से होकर जाना पड़ता है। वही छोटे बच्चों के लिए यह बड़ी जानलेवा साबित हो सकता है। आए दिन लोग दोपहिया वाहन लेकर साइकिल लेकर गिरते पड़ते नजर आते हैं। बाजार वासियों ने जिलाधिकारी से समस्या से निजात पाने की मांग की है।

बाजार निवासी रामधनी ने कहा कि कई बार इस सड़क को लेकर शिकायत की गई यहां तक मुख्यमंत्री पोर्टल पर ने बताया कि शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुआ। उमाशंकर ने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर बड़े जनप्रतिनिधि तक शिकायत की गई लेकिन हर बार मात्र आश्वासन मिला। आज तक सड़क नहीं बनी।सुरेश गुप्ता का कहना है विभागों के अधिकारियों के कितनी बार कहने के बावजूद भी आज तक जल निकासी की समस्या नहीं हुई और बारिश होती है तो हम लोगों के घरों में पानी घुस जाता है।

न निकलेगा जुलूस न बनेगी ताजिया, सांकेतिक रूप से मनाएं मोहर्रम का पर्व

शासन के गाइडलाइन का उल्लंघन करने वालों पर हो कार्यवाही

अखंड भारत संदेश

भदोही । जनपद के खमरिया में मुहर्रम त्यौहार के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक में उपजिलाधिकारी चन्द्रशेखर, क्षेत्राधिकारी अजय कुमार, थाना प्रभारी सदानन्द की उपस्थित में सम्पनन्‍हुई। शुक्रवार को खमरिया नगर पंचायत के मदरसा में मोहर्रम के त्यौहार के मद्देनजर पीस कमेटी की मीटिंग रखी गई जिसमें उप जिलाधिकारी चन्द्रशेखर ने कहा गया कि कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष कोई जो जुलूस नही निकलेगा। चौक पर ताजिया भी नहीं रखी जाएंगी। अखाड़ा भी नहीं होगा, चौकों पर माला फूल के साथ जैसे फातिमा पढ़ते हैं, वैसे ही पढ़ सकते हैं। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि किसी प्रकार की ताजिया चौक पर नहीं रखी जाएगी। बकरीद के मौके पर जिस

तरह से नियमों की धज्जियां खमरिया वालों द्वारा उठाया गया उसको देखकर इस बार प्रशासन एकदम सशक्त रहेगी। कोरोनावायरस को देखते हुए शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पूरी तरह पालन किया जाएगा। नियम का पालन न करने वालों पर मजबूरन एफ आई आर दर्ज करना पड़ेगा। आप लोग स्वस्थ रहेंगे तभी त्यौहार मना पाएंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना को देखते हुए 2 वर्षों से परिस्थिति सभी त्योहारों पर असर पड़ा है। कहा कि चौक पर सांकेतिक रूप से चार पांच लोगों की संख्या में फातिमा पढ़ा जा सकता है। बारी बारी से आकर उस चौक पर फातिमा पढ़ सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से पुलिस क्षेत्राधिकारी अजय कुमार, थाना प्रभारी सदानंद सिंह, चौकी प्रभारी मनोज राय, जफर खान, मैनुद्दीन अंसारी, साकिब खान, रिजवान अंसारी, मोहम्मद मुफ्ती हारून रशीद सहित अन्य कमेटी के लोग तथा मुस्लिम समाज के लोग उपस्थित रहे।

हंगामे की भेंट तो लोकतंत्र चढ़ रहा है

सम्पादकीय

अपराधीकरण पर अंकुश

हालांकि इस मसले पर जब-तब यह राय भी प्रकट की जाती रही है कि शासन और पुलिस द्वारा अक्सर कई झूठे मामले राजनीतिक इरादों के तहत भी दर्ज कर लिए जाते हैं, जो आगे चलकर अदालतों में खारिज हो जाते हैं। ऐसे में पुलिस केस के आधार पर किसी उम्मीदवार के बारे में क्यों राय बनाई जाए? राजनीति के अपराधीकरण की तेज होती प्रक्रिया के मद्देनजर इस हफ्ते एक ही दिन आए सुप्रीम कोर्ट के दो अहम फैसले ध्यान देने योग्य हैं। दोनों फैसलों की खास बात यह है कि इनमें उन पक्षों की अपराधीकरण को बढ़ावा देने वाली भूमिका रेखांकित होती है, जिनसे उस पर अंकुश लगाने की अपेक्षा की जाती है। पहले मामले में मुख्य न्यायाधीश की अगुआई वाली बेंच ने मंगलवार को यह निर्देश जारी किया कि मौजूदा या पूर्व सांसदों और विधायकों के खिलाफ कोई भी आपराधिक केस राज्य सरकारें अपने स्तर पर वापस नहीं ले सकतीं। उन्हें इसके लिए हाईकोर्ट से इजाजत लेनी होगी। यह निर्देश जारी करने का फैसला जल्दबाजी में इसलिए लेना पड़ा क्योंकि अमाइकस क्यूरी (कोर्ट मित्र) की रिपोर्ट के मुताबिक, कई राज्य सरकारें ऐसे मामले वापस लेने की कोशिश में हैं। एक अन्य फैसले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस आर एफ नरीमन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने बीजेपी और कांग्रेस सहित तमाम प्रमुख दलों पर अपने प्रत्याशियों की आपराधिक पृष्ठभूमि को सही ढंग से उजागर न करने के कारण जुर्माना लगाया। मामला सुप्रीम कोर्ट के ही फरवरी 2020 में दिए गए एक फैसले से जुड़ा है, जिसके मुताबिक प्रत्याशियों को अपनी डीटेल्स या तो चयन के 48 घंटे के अंदर या फिर नामांकन पत्र भरे जाने की पहली तिथि से कम से कम दो हफ्ते पहले तक अपलोड कर देनी थीं।

अदालत के सामने लाई गई अवमानना की शिकायत में कहा गया कि संबंधित दलों ने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान अदालत के इस आदेश का ढंग से पालन नहीं किया। कोर्ट ने इस शिकायत को सही पाते हुए न केवल दोषी दलों पर जुर्माना लगाया बल्कि अपने पिछले आदेश में संशोधन करते हुए यह भी कहा कि आगे से सभी दलों को प्रत्याशी के चयन के 48 घंटे के अंदर न केवल उनकी सूचना अपनी वेबसाइट पर डालनी होगी बल्कि दो समाचारपत्रों में भी छपवाना होगा। हालांकि इस मसले पर जब-तब यह राय भी प्रकट की जाती रही है कि शासन और पुलिस द्वारा अक्सर कई झूठे मामले राजनीतिक इरादों के तहत भी दर्ज कर लिए जाते हैं, जो आगे चलकर अदालतों में खारिज हो जाते हैं। ऐसे में पुलिस केस के आधार पर किसी उम्मीदवार के बारे में क्यों राय बनाई जाए? लेकिन समझना होगा कि इन आदेशों में न तो उम्मीदवारों के चुने जाने के अधिकार पर कोई रोक लगाई गई है और न ही चुनने के वोटरों के अधिकार को सीमित किया गया है। सिर्फ यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है कि वोटरों से जरूरी तथ्य न छुपाए जाएं। राजनीतिक दलों के इसी ढीले-ढाले रवैये के चलते संसद में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सदस्यों की संख्या पिछले चार आम चुनावों के दौरान 24 फीसदी से बढ़कर 43 फीसदी तक पहुंच गई। जाहिर है, राजनीति के अपराधीकरण को अब और हल्के में लेना लोकतंत्र के भविष्य के लिए खतरनाक हो सकता है।

बृजेश शुक्ला

एक दौर वह भी था, जब संसद और विधानसभाओं की लाइब्रेरी सांसदों और विधायकों से गुलजार रहती थी। जनप्रतिनिधि जनहित के मुद्दों को उठाने के लिए अपनी तैयारियां करते थे। सांसद नीलोत्पल बसु, गुरुदास दासगुप्ता, संघ प्रिय गौतम सहित बड़ी संख्या में ऐसे सांसद थे, जो अपने बड़े से बड़े काम छोड़कर संसद की बैठक में आते थे क्योंकि उनके लिए वही मंदिर था। आज भी ऐसे सांसदों की कमी नहीं है, जो जनता से जुड़े मुद्दों को उठाना चाहते हैं, लेकिन दिन पर दिन होने वाले हंगामे ने उन्हें विवश कर दिया है। इन सतत हंगामों के लिए कौन दोषी है और कौन निर्दोष, यह एक जटिल सवाल है, लेकिन क्या यह सत्य नहीं है कि संसद और विधानसभाओं की बैठकों में हंगामे को ही अपना धर्म मान लिया गया है? वर्ष 2006 में जब तत्कालीन लोकसभाध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने लोकसभा टीवी की शुरुआत की थी, तब शायद किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि यह देश सदन के अंदर सदस्यों का ऐसा आचरण देखेगा, जो लोगों को दुखी भी करेगा और शर्मिंदा भी। लेकिन देश देख रहा है कि संसद और विधानसभाओं की कार्यवाही कम चलती है और हंगामा अधिक होता है। एक घटना याद आ रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा की बैठक हंगामे के बाद स्थगित हो गई थी। कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर लगातार नौ बार विधायक चुने जा चुके उदल और समाजवादी नेता और विधायक रवीन्द्र नाथ तिवारी चिंतित मुद्रा में एक कक्ष में बैठे थे। हाथ में उन प्रश्नों का बंडल था, जो उस दिन विधानसभा की बैठक में पूछे जाने थे। जब इन दोनों विधायकों से पूछा कि आप लोग इतने चिंतित क्यों हैं तो रवीन्द्र नाथ तिवारी बोले कि आज कई सवाल लगे हैं, लेकिन अब हंगामा हो गया है। इसलिए कोई भी प्रश्न पूछने का मौका नहीं मिलेगा।

बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि प्रश्नों की तैयारी करते हैं, लेकिन हवा ऐसी बदली कि सदन की बैठकों में उन लोगों का बोलबाला हो गया, जिन्हें न तो संसदीय परंपराओं की जानकारी है, ना जनता के दुख-दर्द से कोई मतलब। सदन के अंदर होने वाला हंगामा अखबारों की हेडलाइन बनता है। चैनलों में भी उन्हीं के करतब छाए रहते हैं। जमीनी मुद्दे किनारे कर दिए गए हैं तो फिर रात-रात भर जाग कर जनहित से जुड़े मुद्दों पर माथापच्ची क्यों हो! लोकसभा और राज्यसभा में मॉनसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया, लेकिन यह कोई पहली बार नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिकाएं बदलने के साथ उनका रुख भी बदलता रहा है। लगता ही नहीं कि यह वही संसद है, जिसमें डॉ. राम मनोहर लोहिया, अटल बिहारी वाजपेयी, इंद्रजीत गुप्त, सोमनाथ चटर्जी, चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर, चतुरानन मिश्र, मधु दंडवते और लालकृष्ण आडवाणी जैसे विपक्षी दिग्गज लंबी-लंबी बहसों में भाग लेते थे और सत्तापक्ष की ओर से पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, जगजीवन राम, प्रणब मुखर्जी, वसंत साठे, एस बी चह्वाण जैसे दिग्गज चुटीले जवाब भी देते थे।

संसद और विधान मंडलों में हंगामे का सबसे ज्यादा नुकसान यदि किसी को होता है तो वह है जनता। विपक्ष के पास सदन की बैठक ही सबसे बड़ा मारक हथियार है। प्रश्न प्रहर और शून्य प्रहर में उठने वाले

मुद्दे तमाम समस्याओं का निदान लेकर आते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित बताते हैं कि वह पहली बार चुनाव जीत कर आए थे और एक गांव में पुलिस अत्याचार का मुद्दा सदन में उठाया था। उसी दिन जब शाम को वह अपने क्षेत्र लौट रहे थे तो देखा कि उस गांव में पुलिस का भारी जमावड़ा है। उन्होंने पूछा तो पुलिस के आईजी ने बताया कि आपने सदन में यह मुद्दा उठा दिया है, इसलिए मुझे आना पड़ा। संसद का मॉनसून सत्र : जब लोकसभा और राज्यसभा में हो रहा था हंगामा तब आपकी जेब से कट गए 216 करोड़ रुपये, जानें कैसे

हंगामा भी दो तरह का होता है। एक सदन के अंदर किसी बात को लेकर दो पक्षों में वाद-विवाद बढ़ जाए तो वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक अंग माना जा सकता है। लेकिन जब राजनीतिक दलों के कार्यालयों में बैठकर अपने ही सांसदों और विधायकों से नारे लिखवाए जाएं, बैनर बनवाए जाएं और यह रणनीति बने कि कैसे किस को जवाब देना है तो यह पता चलता है कि हम किन लोकतांत्रिक मूल्यों की ओर बढ़ रहे हैं। संसद की बैठक चलाने की जिम्मेदारी सरकार और विपक्ष दोनों पर है, लेकिन सरकार पर कहीं ज्यादा। दूसरी तरफ विपक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि संसद में अपने मुद्दों के उठाने के अपने अधिकार को हाथ से न जाने दे। इससे तो सत्ता पक्ष को ही लाभ होता है। संसद और विधानसभा में प्रश्न प्रहर में जो प्रश्न आते हैं, उनके उत्तर देने के लिए मंत्रियों को तैयारी करनी पड़ती है। प्रश्न में उठाई गई समस्या को हल करवाना पड़ता है, लेकिन हंगामा होने पर मंत्री अपनी फाइल लेकर मुस्कुराते हुए सदन से बाहर चले जाते हैं और सदस्य ठगे से महसूस करते हैं। हंगामा और शोर-शराबा करने वाले कहते हैं कि हंगामा भी तो जनहित के कारण हो रहा है, लेकिन ऐसे लोग शायद भूल रहे हैं कि संसद और विधानसभाएं चर्चा के लिए बनी हैं। वैसे विशेष परिस्थितियों में सदन में गरमा-गरमी, हंगामा हो जाना और सदस्यों का वेल में जाना लोकतांत्रिक है लेकिन य.ह सीमित समय के लिए और बहुत जरूरी होने पर होना चाहिए। जब हम केवल इसी को अपना हथियार बना लेंगे तो चर्चा और संवाद खत्म हो जाएंगे।अब समय आ गया है कि एक ऐसी आदर्श रूपरेखा तैयार की जाए, जिसमें असहमति होने पर गुस्सा दिखाने की गुंजाइश हो लेकिन सदन के कामकाज में बाधा डालने और जनता के हितों के ऊपर अपनी राजनीति चमकाने की इजाजत ना हो। वरना लोकतंत्र के ये मंदिर उन लोगों के नाम से जाने जाने लगेंगे, जो हंगामा करते हैं काम नहीं होने देते।

बुनियादी संरचना का खौफ

डॉ. भरत झुनझुनवाला

मात्र बुनियादी संरचना में निवेश करना पर्याप्त नहीं होता है जिस प्रकार केवल दवा देना से रोगी के उपचार के लिए पर्याप्त नहीं होता है। सही संरचना बनानी होगी और सही दवा देनी होगी। इसलिए सरकार को चाहिए कि बुनियादी संरचना के खौफ से बचे। उच्च वर्गीय बुनियादी संरचना में निवेश करने से देश की आर्थिक विकास दर लगातार गिर रही है। बुनियादी संरचना में निवेश की दिशा में परिवर्तन करना होगा। मेरे समेत तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना रहा है कि देश के आर्थिक विकास के लिए हमें बुनियादी संरचना को सही करना होगा जैसे हाईवे, विद्युत, इंटरनेट इत्यादि को। सड़क सही नहीं होती है तो व्यापार नहीं पनपता है। अध्ययनों में पाया गया है कि ग्राम विकास के लिए सबसे अधिक प्रभावी निवेश पक्की सड़क में होता है। सड़क उपलब्ध हो जाने से गांव के लोग अपने माल को आसानी से शहर तक ले जाकर बेच सकते हैं और गांव का विकास होने लगता है। वर्तमान एनडीए सरकार ने बुनियादी संरचना में निवेश में भारी प्रगति की है विशेषकर हाईवे और जलमार्ग में। सरकार के पूंजी निवेश में बुनियादी संरचना प्रमुख हिस्सा होता है। पिछले वर्ष 2020-21 में केंद्र सरकार ने 4.39 लाख करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया था जो वर्तमान वर्ष 2021-22 में 5.54 लाख करोड़ होने का अनुमान है। इसमें 29 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई है। फिर प्रश्न उठता है कि बुनियादी संरचना में इतने निवेश के बावजूद एनडीए सरकार के ही पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर लगातार गिर क्यों रही है? इसका कारण संभवतः यह है कि हम गलत बुनियादी संरचना में निवेश कर रहे हैं जैसे मरीज को दवा देना जरूरी होता है लेकिन गलत दवा देने से नुकसान हो जाता है। यह बात मैं आपके सामने कुछ उदाहरणों से रखना चाहता हूं।

पहला उदाहरण शहर में फुट ओवर ब्रिज का लें। चौराहे पर पैदल यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज बना दिया जाता है। इससे आम आदमी को सड़क पार करने में समय अधिक लगता है। ऊपर चढ़ने और उतरने में उसकी ऊर्जा वय होती है जबकि नीचे कार के सरपट भागने और लाल बत्ती के हटाए जाने से उच्च वर्ग को आसानी होती है। वह अपने गंतव्य स्थान पर शीघ्र पहुंच सकते हैं। हां, आम आदमी के जीवन की रक्षा होती है और उच्च वर्ग को दुर्घटना से बचने में मदद भी मिलती है। लेकिन अंत में आम आदमी पर फुट ओवर ब्रिज का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका उपाय यह है कि फुट ओवर ब्रिज के साथ स्वचालित एस्केलेटर लगाया जाए जिससे कि आम आदमी के समय की बर्बादी न हो और एस्केलेटर चलाने का खर्च नीचे दौड़ने वाली कार से वसूल किया जाए।

दूसरा उदाहरण हाईवे का लें। हाईवे पर गाड़ी बिना व्यवधान के दौड़ सके इसलिए दोनों तरफ तार लगा दिए जाते हैं। हाईवे के एक तरफ रहने वाले को हाईवे के दूसरी तरफ अपनी जमीन तक पहुंचने के लिए अब 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है क्योंकि ट्रैक्टर को हाईवे पार कराना अब संभव नहीं रह गया है। इसलिए हाईवे से किसान की लागत बढ़ जाती है। इसके विपरीत हाईवे पर चलने वाले ट्रक को सुविधा होती है। ट्रक पर ढोए जाने वाले माल का ढुलाई खर्च कम हो जाता है। लेकिन ट्रक पर ढुलाई किये जाने वाले माल की खपत मेरे अनुमान से 80 प्रतिशत उच्च वर्ग द्वारा ही की जाती है। साथ-साथ हाईवे बनाने में जो सीमेंट, स्टील और मशीन का उपयोग किया जाता है वह भी बड़ी कंपनियां ही सप्लाई करती हैं। हाईवे का अंतिम परिणाम आम आदमी पर नकारात्मक पड़ता है। इतना अवश्य है कि उसके द्वारा भी बाजार से खरीदी जाने वाली वस्तुओं के दाम में गिरावट आती है। लेकिन बाजार से आम आदमी माल कम खरीदता है और उच्च वर्ग ज्यादा। इसलिए उच्च वर्ग को विशेष लाभ होता है। इसका उपाय यह है कि हाईवे बनाने के साथ-साथ ग्रामीण सड़कों पर भी भारी निवेश किया जाए जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं कस्बों में आम आदमी के लिए भी कार्य करना लाभप्रद हो जाए। हाईवे बनाने से उसका जो उसे नुकसान होता है उसकी भरपाई कस्बे की अच्छी सड़क से हो जाए।

तीसरा उदाहरण जलमार्ग का लीजिए। जलमार्ग बनाने से नदी पर बड़े जहाज चलने लगते हैं और मछुआरों का धंधा समाप्तप्राय हो जाता है। छोटे नाविक का धंधा भी कमजोर पड़ जाता है। इसके विपरीत जल मार्ग से कोयले आदि माल की ढुलाई की लागत कम हो जाती है। कोयले से उत्पादित बिजली की भी लागत कम हो जाती है। लेकिन उस बिजली की खपत भी एल्युमिनियम जैसे उद्योगों और बड़े शहरों में एयर कंडीशनर इत्यादि उपकरणों को चलाने में अधिक होता है। इस प्रकार जलमार्ग का मछुआरों और नाविक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग को सस्ती बिजली और सस्ते माल की उपलब्धि होने से लाभ होता है। इसका विकल्प यह है कि जलमार्ग के स्थान पर रेल मार्ग से ढुलाई की जाए जिससे आम आदमी पर दुष्प्रभाव कम पड़े।चौथा उदाहरण खनिज के खदान का लें। आज तमाम खनिज हमारे जंगलों के नीचे दबे पड़े हैं। इन्हें निकालने के लिए उनके ऊपर के जंगलों को काटा जाता है। इससे स्थानीय लोगों को महुए के फूल, चिरौंजी के दाने, तेंदू पत्ता, पशुओं का चारा इत्यादि सभी नष्ट हो जाते हैं। आम आदमी की आय में गिरावट आती है। खदान से जो खनिज निकाले जाते हैं लोहा, एल्युमिनियम अथवा तांबा इत्यादि जो माल बनाया जाता है उसकी खपत भी उच्च वर्ग ही ज्यादा करते हैं। अंतिम परिणाम आम आदमी के लिए नकारात्मक और उच्च वर्ग के लिए सकारात्मक होता है। इसका उपाय यह है कि जंगल काटने से पहले आम आदमी को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए और खदान करने के बाद उस भूमि पर पुनः जंगल को लगाया जाए। तब आम आदमी पर महुए, चिरौंजी, तेंदू पत्ता इत्यादि के समाप्त होने से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भरपाई हो जाएगी।पांचवा उदाहरण 5 प्रतिशत इंटरनेट का लें। आम आदमी के लिए 4 प्रतिशत पर्याप्त है। उसके बच्चे को ऑनलाइन क्लास में सम्मिलित होना होता है अथवा उसे बगल के शहर में फसल के मूल्य की जानकारी की जरूरत होती है। लेकिन 5 प्रतिशत इंटरनेट से भारी मात्रा में सूचना का आदान-प्रदान आसान हो जाता है। जैसे डाटा एनालिसिस करने वालों का कार्य सुलभ हो जाता है। अतः 5 प्रतिशत इंटरनेट से उच्च वर्ग को अधिक लाभ होता है। इसका विकल्प यह है कि 5प्रतिशत के साथ-साथ 4 प्रतिशत इंटरनेट की सुविधा को सबको उपलब्ध कराई जाए और आम आदमी को मुफ्त वाईफाई उपलब्ध कराया जाए।मात्र बुनियादी संरचना में निवेश करना पर्याप्त नहीं होता है जिस प्रकार केवल दवा देना से रोगी के उपचार के लिए पर्याप्त नहीं होता है। सही संरचना बनानी होगी और सही दवा देनी होगी। इसलिए सरकार को चाहिए कि बुनियादी संरचना के खौफ से बचे। उच्च वर्गीय बुनियादी संरचना में निवेश करने से देश की आर्थिक विकास दर लगातार गिर रही है। बुनियादी संरचना में निवेश की दिशा में परिवर्तन करना होगा।

धर्मनिरपेक्ष ताकतों की संयुक्त कार्रवाई समय की मांग

डी राजा

हम अपने चारों ओर अराजकता और व्यापक संकट देखते हैं क्योंकि हम अगले साल अपनी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं, जिसके लिए सरकार ने एक विस्तृत समिति बनाई है। ऐसी समितियों का गठन एक बहाना बना रहता है जब राज्य हमारी आजादी को दिन-ब-दिन खा रहे हैं, पेगासस की घटना सिर्फ एक ताजा उदाहरण है। वर्तमान शासन ने हमारी बहुमूल्य स्वतंत्रता और उससे जुड़े मूल्यों को कमजोर करने के लिए इतना कुछ किया है। 15 अगस्त के दिन, सात दशक से भी अधिक समय पहले, 1947 में, हमारे देश ने नियति के साथ अपने प्रयास की शुरुआत की थी। हमारे द्वारा प्राप्त राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे देश के लोगों द्वारा दशकों के संघर्ष का परिणाम है। ब्रिटिश शासन की शोषक प्रकृति को स्वीकार करते हुए, हमारे देश के विभिनन् हिस्सों में लोगों ने संगठित मंचों या राजनीतिक दलों के अस्तित्व में आने से बहुत पहले ही औपनिवेशिक आकाओं द्वारा शोषण का विरोध करना शुरू कर दिया था। लोगों ने कई बार अपने मूल सहयोगियों के साथ-साथ ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी। लोगों की सामूहिक स्मृति पर एक अमिट छाप छोड़ते हुए इन स्वतःस्फूर्त विद्रोहों को बेरहमी से दबा दिया गया।

इस काल के संघर्ष बहुआयामी थे। कोई एकवचन विधि नहीं थी और न ही एक सार्वभौमिक मांग थी। अगर कुछ समान था, तो वह स्वतंत्रता की चाहत थी। लेकिन इस आजादी का मतलब हमारे समाज के विभिनन् वर्गों के लिए अलग-अलग चीजें थीं। महिलाओं के लिए यह स्वतंत्रता, स्वाभिमान और सभी प्रकार की पितृसत्तात्मक अधीनता से मुक्ति थी। दलितों और शूद्रों के लिए, स्वतंत्रता का अर्थ मनुवादी ब्राह्मणवादी आधिपत्य के हजारों वर्षों के शोषण और यातना से मुक्ति है। आदिवासी समुदायों के लिए यह वन भूमि पर दावा करने की स्वतंत्रता और क्रूर वन ठेकेदारों से स्वतंत्रता थी। विकास के नाम पर लगातार विस्थापन के भय से मुक्ति। अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के लिए, यह बहुसंख्यक सांप्रदायिकता से अधीनता के भय से मुक्ति और उनके विश्वास का अभ्यास करने का अधिकार था। स्पष्ट समझ की एक अंतर्निहित धारा थी कि औपनिवेशिक शासन मूल रूप से शोषक था, देश को लगातार सूखा रहा था और इसके सभी संसाधनों को सुखा रहा था।

20वीं सदी के शुरुआती दशकों में, जब मुक्ति का आंदोलन समुदायों को करीब ला रहा था, हमने देखा कि मोहम्मद अली जिनन देशद्रोह के मामले में तिलक के बचाव में खड़े थे और भगत सिंह सांप्रदायिकता, हिंदू बहुसंख्यकवाद या हिंदुत्व के खिलाफ जोरदार बहस कर रहे थे। लोगों ने देखा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर महिलाओं की मुक्ति सहित जाति आधारित शोषण से मुक्ति के लिए और जमींदारों द्वारा सामंती आर्थिक शोषण के खिलाफ अपना संघर्ष करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। डॉ. अम्बेडकर ने कोंकण और अन्य क्षेत्रों में सामंतवाद-विरोधी संघर्षों का नेतृत्व किया, जो इतने समावेशी थे कि उच्च जातियों के शोषितों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और जब संघर्षों के सफल परिणाम सामने आए तो वे लाभार्थी थे। मोहनदास करमचंद गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में जन संघर्षों और उभरते हुए कम्युनिस्ट आंदोलन और अन्य कट्टरपंथी क्रांतिकारी संगठनों और कार्यकर्ताओं के नेतृत्व वाले उग्रवादी वर्ग संघर्षों के अलावा 75 साल पहले स्वतंत्रता में योगदान देने वाले इन सभी संघर्षों को समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता को स्वतंत्रता सेनानियों ने न केवल ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के रूप में समझा, बल्कि उन सभी प्रकार के शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के रूप में भी समझा जो भारत के लिए स्वदेशी सामाजिक संरचनाओं के भीतर गहरे थे। कुछ भी प्रगतिशील, कुछ भी लोकतांत्रिक, कुछ भी धर्मनिरपेक्ष और पितृसत्तात्मक मनुवादी सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ कुछ भी भीतर से लगातार प्रतिरोध था। यह प्रतिरोध समाज के रूढ़िवादी और रूढ़िवादी वर्गों से आया था, जो औपनिवेशिक भारत में नए उभरते संपनन् लोगों द्वारा शामिल हुए जमींदारों, सामंती रियासतों या रियासतों जैसे सत्ता के संगठित संस्थानों के साथ गठबंधन में थे। वे सभी जो दूर से प्रगतिशील, लोकतांत्रिक और समावेशी किसी भी आंदोलन के खिलाफ थे, उनमें एक बात समान थी- ब्रिटिश आकाओं के प्रति उनकी वफादारी। 1925 में अस्तित्व में आए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस ने इन सभी प्रतिक्रियावादी, सांप्रदायिक, मनुवादी ताकतों को बड़े पैमाने पर मजबूत किया है। आरएसएस को उस समय का सबसे बड़ा ब्रिटिश समर्थक और जनविरोधी समूह माना जा सकता है।

संविधान सभा में बहस के दौरान अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग रूपों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमले किए गए। भारत को हिंदू राज्य घोषित करने के लिए हिंदुत्ववादी ताकतों का लगातार दबाव था। समर्थन में आयरलैंड और अन्य देशों के उदाहरणों का लगातार हवाला दिया गया। इन सबके खिलाफ डॉक्टर अम्बेडकर चट्टान की तरह खड़े रहे। डॉ अम्बेडकर ने धर्मतंत्र को जोरदार रूप से खारिज कर दिया और चेतावनी दी कि, 'यदि हिंदू राष्ट्र एक वास्तविकता बन जाता है तो यह राष्ट्र के लिए आपदा होगी।' स्वतंत्रता के बाद प्रतिक्रिया की ताकतों के खिलाफ भारतीय लोगों का संघर्ष और तेज हो गया। महात्मा गांधी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी, जिनके आरएसएस और हिंदू महासभा के साथ संबंध अच्छी तरह से स्थापित थे। गांधी की हत्या धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर समेकित और संगठित हमले की शुरुआत है। डॉ अम्बेडकर जो धर्मनिरपेक्षता के कट्टर अनुयायी थे, उन्होंने हमारे संविधान को इस तरह से बनाया कि समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा हो सके। प्रस्तावना से ही शुरू होकर हमारे स्वतंत्रता संग्राम के मूल्य संविधान के सभी भागों में निहित थे और हमें स्वतंत्रता आंदोलन की भावना के विपरीत मनमानी राज्य कार्रवाई से बचाने के लिए मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत मिले और हमारे विधायिकाओं को गैर-भेदभावपूर्ण नींव के साथ कल्याणकारी मोड़ की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए संविधान यह अनिवार्य बनाता है कि भारतीय राज्य एक रहना चाहिए धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राज्य। डॉ अम्बेडकर के सक्षम नेतृत्व ने संविधान सभा की जटिल, जटिल कभी-कभी गरमागरम बहसों और समय पर एक संविधान बनाने के लिए एक लंबा सफर तय किया था और साथ ही अंतिम परिणाम को दशकों के पोषित लक्ष्यों से ज्यादा विचलित नहीं होने दिया था। स्वतंत्रता संग्राम जो लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामंतवाद विरोधी और समतावाद है। उन्होंने सामाजिक न्याय और समाजवाद के साथ समावेश की तर्ज पर हमारे देश को विकसित करने के लिए एक मार्ग की रूपरेखा तैयार की। यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं थी। इस विलक्षण उपलब्धि का श्रेय डॉ अम्बेडकर और उनकी टीम को जाता है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि 15 अगस्त, 1947 को केवल प्रत्यक्ष ब्रिटिश शासन के तहत क्षेत्रों को प्रशासित करने की शक्ति हस्तांतरित की गई थी। देशी शासकों के अधीन देश के महत्वपूर्ण हिस्से पांच सौ से अधिक थे और इसमें निजाम के अधीन हैदराबाद और डोगरा शासक हरि सिंह के अधीन कश्मीर जैसे काफी बड़े और विवादास्पद लोग शामिल थे। 1947 से 1950 तक, हमारे राष्ट्र के संस्थापक नेताओं को एक संविधान को आकार देने के अलावा इन सभी को एक देश में लाने के दोहरे कार्यों में व्यस्त थे। भारत की संविधान सभा प्रांतीय विधायिकाओं द्वारा चुनी गई थी और तत्कालीन गुप्त और बड़े पैमाने पर भूमिगत कम्युनिस्ट पार्टी को इसमें बहुत कम प्रतिनिधित्व मिला था।

हालांकि, कम्युनिस्टों ने उन्हें बाहर के उग्र जन संघर्षों के माध्यम से संविधान सभा के एजेंडे को सुना और आकार दिया। जैसा कि सरदार पटेल ने स्वयं एक बार बंबई के प्रसिद्ध वकील चारी से टिप्पणी की थी कि कम्युनिस्टों के नेतृत्व और संगठित उग्रवादी जन संघर्षों ने भारतीय संघ में प्रवेश को स्वीकार करने के अलावा राजकुमारों, राजाओं या नवाबों के लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ा था। भारतीय राष्ट्र राज्य के विकास और एकीकरण में कम्युनिस्ट आंदोलन के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता संग्राम की मांगों को आकार देने में कम्युनिस्ट भी सबसे आगे थे और भारतीय लोगों के लिए उनके महत्वाकांक्षी एजेंडे ने स्वतंत्रता आंदोलन के क्षितिज का काफी विस्तार किया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कम्युनिस्टों ने सबसे पहले अंग्रेजों से 'पूर्ण स्वतंत्रताऽ की मांग उठाई, जिसने संघर्ष के पूरे एजेंडे को कट्टरपंथी बना दिया। कानपुर में प्रथम भाकपा सम्मेलन की स्वागत समिति के अध्यक्ष हसरत मोहानी ने सबसे पहले कांग्रेस के एक अधिवेशन में पूर्ण स्वतंत्रता की मांग उठाई।

उन्होंने 'इंकलाब जिंदाबाद' का प्रेरक नारा भी गढ़ा, जिसे बाद में भगत सिंह जैसे शहीदों ने लोकप्रिय बनाया। संविधान सभा की मांग सबसे पहले कम्युनिस्ट एम एन रॉय ने भी उठाई थी। यह कम्युनिस्टों के नेतृत्व में उग्रवादी लामबंदी थी जिसके परिणामस्वरूप कांग्रेस ने अपने एजेंडे के हिस्से के रूप में पूर्ण स्वतंत्रता को अपनाया। भारतीय राष्ट्र के निर्माण में ये शानदार योगदान आज भी साम्राज्यवाद के नए रूपों के खिलाफ हमारे अथक संघर्ष में हमारी प्रेरणा हैं। ब्रिटिश उपनिवेशवाद से मुक्ति का मतलब पूंजीवादी हितों द्वारा सभी नापाक मंसूबों का अंत नहीं था क्योंकि वे भारत और उनके बाजारों, संसाधनों और श्रम शक्ति सहित विकासशील देशों पर अपना गढ़ जारी रखना चाहते थे। द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद, उपनिवेशवाद के औपचारिक अंत के परिणामस्वरूप भारत की दक्षिणपंथी ताकतों के सहयोग से साम्राज्यवादी हमले के एक नए चरण की शुरुआत हुई। यह हमला भी बहुआयामी है। इस क्षेत्र में साम्राज्यवादी साजिश एक तरफ भारत को बाहरी खतरों से उजागर करके और देश के भीतर किसी भी तरह की विभाजनकारी प्रवृत्तियों में लगातार ईंधन जोड़ने की कोशिश कर रही है। देश में दक्षिणपंथी ताकतों के लिए निरंतर शाही समर्थन ने उन्हें हमारे समाज की गलती की रेखाओं को चौड़ा करने में सक्षम बनाया है। पिछले तीन दशकों के दौरान हमने अपने श्रम और पूंजी बाजारों के निजीकरण, व्यावसायीकरण और उदारीकरण की एक निरंतर प्रक्रिया देखी है, विश्व व्यापार संगठन या अन्य ऐसे निकायों के दबावों के आगे झुकने की निरंतर प्रक्रिया और वित्तीय पूंजी के निर्देशों के अनुरूप विनाशकारी आर्थिक परिवर्तन लाए हैं। वर्तमान आरएसएस-भाजपा गठबंधन सरकार कृषि से लेकर शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक हर चीज के पूर्ण निगमीकरण की ओर बढ़ रही है या सचमुच सरपट दौड़ रही है। यह शासन भारत को अमेरिका के साथ एक अपरिवर्तनीय रणनीतिक साझेदारी के लिए मजबूर कर रहा है, इस प्रकार हमारी विदेश नीति में प्रगतिशील और लोकतांत्रिक हर चीज को मार रहा है। अर्थशास्त्र और राजनीति की अविभाज्य प्रकृति पर मार्क्सवादी जोर इस संदर्भ में सही साबित होता है क्योंकि भारत में वित्त पूंजी की वृद्धि धार्मिक और जाति के आधार पर अत्यधिक ध्रुवीकरण के साथ-साथ रही है। हम अपने चारों ओर अराजकता और व्यापक संकट देखते हैं क्योंकि हम अगले साल अपनी स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं, जिसके लिए सरकार ने एक विस्तृत समिति बनाई है। ऐसी समितियों का गठन एक बहाना बना रहता है जब राज्य हमारी आजादी को दिन-ब-दिन खा रहे हैं, पेगासस की घटना सिर्फ एक ताजा उदाहरण है। वर्तमान शासन ने हमारी बहुमूल्य स्वतंत्रता और उससे जुड़े मूल्यों को कमजोर करने के लिए इतना कुछ किया है कि हमें आरएसएस और उसके हिंदुत्व के एजेंडे से अपनी आजादी वापस लेने के लिए एक नया स्वतंत्रता संग्राम छेड़ने की जरूरत है। हमें उस संघर्ष के लिए खुद को तैयार और प्रतिबद्ध करना चाहिए जैसा कि वामपंथियों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान किया था।राष्ट्र की सेवा के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करने और साम्राज्यवाद के खिलाफ अपने कार्यकर्ताओं और किसानों को संगठित करने का हमारा वीर अतीत हमारे और उन सभी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो आरएसएस-भाजपा द्वारा सुगम वर्चस्व के नए रूपों के खिलाफ लड़ रहे हैं। संघर्ष हमारी आजादी को वापस पाने के लिए एक वैचारिक संघर्ष है। इसे जमीनी स्तर से संसद तक छेड़ना होगा और यही भारत के लोगों के लिए सच्चा स्वतंत्रता संग्राम होगा। वामपंथी और वामपंथी इसमें अग्रणी भूमिका निभाएंगे क्योंकि वामपंथी दक्षिणपंथी-फासीवादी हमले से लड़ने वाली लगातार, अडिग ताकत है।

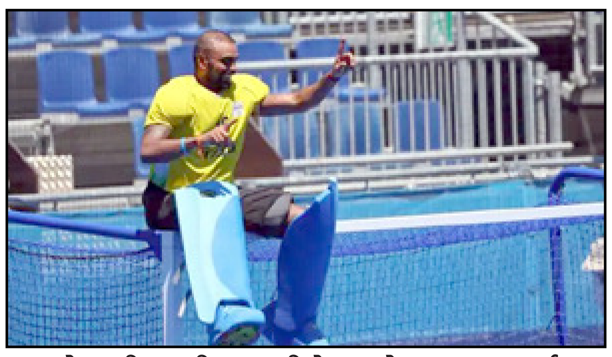

गोलकीपर पीआर श्रीजेश को एनआरआई बिजनसमैन से मिला १ करोड़ का नकद पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश को गुरुवार को प्रवासी भारतीय व्यवसायी द्वारा घोषित एक करोड़ रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया। पूर्व भारतीय हॉकी गोलकीपर मैनुअल फ्रेडरिक ने यहां एक कार्यक्रम में मौजूदा भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर को यह पुरस्कार दिया। फ्रेडरिक म्यूनिख ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) में स्थित वीपीएस हेल्थकेयर के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक डा शमशीर वयालिल ने इस नकद पुरस्कार की घोषणा की थी। ओलंपियन श्रीजेश ने शमशीर द्वारा पूर्व हॉकी गोलकीपर फ्रेडरिक के लिये 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार का खुलासा किया।फ्रेडरिक बेंगलुरू से श्रीजेश को सम्मानित करने पहुंचे थे और इससे हैरान हो गए। उन्होंने कहा कि शमशीर जैसे लोगों को देखना अच्छा है जो खिलाडि़यों को प्रोत्साहित करने के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से केरल के खेल सितारों की अगली पीढ़ी प्रेरित होगी।

'लोग ऐसा बर्ताव कर रहे हैं जैसे मैं कोई मरी हुई चीज हूं, चाकू लेकर खड़े हैं', सस्पेंड होने के बाद विनेश फोगाट ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक 2020 में देश के लिए मेडल लेकर लौटे खिलाडि़यों का जोरदार स्वागत हुआ और उसके बाद सरकार की तरफ से प्लेयर्स को सम्मानित भी किया गया। भारत के लिए ओलंपिक 2020 यादगार रहा और देश ने पहली बार 7 मेडल जीते। नीरज चोपड़ा ट्रैक एंड फील्ड में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिलाया। वहीं, रेसलिंग में रवि दहिया ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। टोक्यो में कई खिलाडि़यों के एक तरफ जहां सपने साकार हुए तो कई ऐसे भी खिलाड़ी रहे, जिन्होंने अपना दमखम तो पूरा लगाया पर देश खाली हाथ लौटे। इसी लिस्ट में नाम शामिल रहा विनेश फोगाट का, जिनको अपने क्वार्टर फाइनल मैच में हार झेलनी पड़ी और खाली हाथ स्वदेश लौटने को मजबूर होना पड़ा। विनेश की

मुसीबत उस समय और बढ़ गई जब भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्लूयूएफआई) ने अनुशासनहीनता को लेकर कार्रवाई करते हुए उनको अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया। भारतीय महिला पहलवान ने इन सभी मुद्दों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। विनेश फोगाट ने कहा, 'मुझे ऐसा लगा रहा है कि मैं किसी सपने में सो रही हूं और अभी कुछ भी शुरू नहीं हुआ है। मैं एकदम खाली हूं। मुझे नहीं पता कि जिंदगी में क्या हो रहा है। पिछले एक हफ्ते से मेरे अंदर काफी कुछ चल रहा है। यह कहानी है दो दिलों और दो दिमाग की। मैंने रेसिलंग को अपना सबकुछ दिया है और अब इसको छोड़ने का सही समय है। लेकिन दूसरी तरफ, अगर मैं छोड़ देती हूं और फाइट नहीं करती हूं तो वो मेरे लिए ज्यादा बड़ा नुकसान होगा। मैं इस समय अपने फैमिली पर फोकस करना चाहती हूं। लेकिन बाहर सब मुझे ऐसे ट्रीट कर रहे हैं जैसे मैं कोई मरी हुई चीज हूं। वह कुछ भी लिख रहे हैं जो उनके मन में आ रहा है। मैं जानती हूं कि भारत में आप उतनी ही तेजी से गिरते हैं जितनी तेजी से ऊपर चढ़ते हैं। एक मेडल गया और सबकुछ खत्म। रेसलिंग को भूल जाइए, एक इंसान को नॉर्मल होने दीजिए। साथ के एथलीट यह नहीं पूछेंगे कि आपने क्या गलत हुआ, वह आपको बताएंगे कि आपने क्या गलत किया। विनेश ने आगे कहा, 'कम से कम मेरे से पूछिए कि मैट पर क्या हुआ। आप क्यों मेरे मुंह में शब्द डालने रहे हो कि मुझे ऐसा लगा। मुझे ऐसा नहीं लगा। सॉरी। इस समय पर मुझे रोना मुश्किल लगता है। मेरी दिमागी ताकत खत्म हो चुकी है। ऐसा लगा रहा है कि वह मुझे मेरी हार पर दुख भी नहीं मनाने देंगे। हर कोई चाकू लेकर खड़ा हुआ है। कम से कम टीम में मौजूद लोगों को मेरे नतीजे के लिए गालियां मत दीजिए। रेसलर से ज्यादा दर्द कौन महसूस कर सकता है जिसने शारीरिक और मानसिक तौर पर कड़ी मेहनत करी हो। मैं यह कभी नहीं मान सकती कि मुझे मानसिक थकान है या मैं दिमागी तौर से बीमार हूं। मैं अपनी यात्रा की वजह से इमोशनल हूं। किसी को समझने की जरूरत है कि मैंने रेसलिंग बिना किसी के इजाजत के शुरू की थी। मुझे सपोर्ट कीजिए पर मुझे यह मत बताइए कि मुझे क्या करना चाहिए।'

मैच के दौरान बीच मैदान में घुस आया दो साल का बच्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल के मैदान में कभी कभी अचानक ऐसी चीजें हो जाती है, जिसे देखकर फैन्स अपनी हंसी तक नहीं रोक पाते हैं। मैच के दौरान आपने बहुत ही कम ऐसा कभी देखा होगा कि मैच जब चल रहा हो तब बहुत ही छोटा बच्चा बीच मैदान में अचानक आ जाए। अमेरिका में एक ऐसा ही नजारा देखने को मिला जब लाइव फुटबॉल मैच के दौरान दो साल का एक बच्चा अचानक से बीच मैदान पर आ पड़ा। सोशल मीडिया पर बच्चे का यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। मेजर सॉकर लीग (एमएसएल) टूर्नामेंट के दौरान एफसी सिनसिनाटी और औरलैंडो सिटी के बीच फुटबाल मैच खेला जा रहा था और मॉस्को की रहने वाली मोर्गन टकर अपने दो साल के बेटे जैदिक के साथ फुटबाल मैच देखने के लिए स्टेडियम पहुंचीं। मैच के 70वें मिनट के दौरान टकर एक मिनट के लिए बच्चे पर से अपना ध्यान हटा लेती

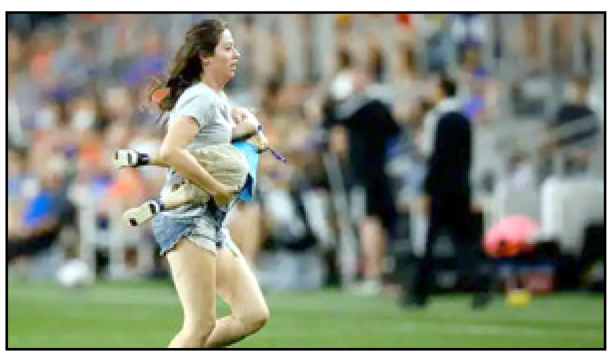

हैं कि तभी वह देखती है कि जैदिक भागकर बीच मैदान तक पहुंच गया। बच्चे को मैदान पर देखकर मां बहुत परेशान होने लगी और उन्हें डर लगने लगा कि कहीं बॉल उनके बेटे को न लग जाए। इसके तुरंत बाद मोर्गन टकर अपने बेटो को पकड़ने के लिए मैदान में जा पहुंचती है।

सोशल मीडिया पर यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें मां अपने बच्चे को पकड़ने के लिए उसके पीछे भागती है। लेकिन बच्चा भी आगे आगे भागता रहता है। जैसे ही मां अपने बच्चे को पकड़ती है, वह खुद भी मैदान पर फिसलकर गिर जाती है। एमएसएल ने भी अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर इस वीडियो को शेयर किया है, जिसमें उसने कैप्शन में लिखा, ' मैदान में घुसपैठ करने वाली इस मां और बच्चे के लिए आज का दिन बेहद यादगार रहा है।' एमएसएल के अलावा फोटोग्राफर ने भी मां और बेटे की फोटो शेयर की है।

भारत को अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कप्तान उन्मुक्त चंद ने लिया संन्यास, अब इस देश के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी कप्तानी में भारत को 2012 में अंडर 19 वर्ल्ड कप जिताने वाले दिल्ली के बल्लेबाज उन्मुक्त चंद ने भारत में क्रिकेट से संन्यास लेकर अब अमेरिका के लिए खेलने का फैसला किया है। उन्मुक्त ने संन्यास का ऐलान कर दिया है और अब वह अमेरिका के लिए क्रिकेट खेलने को तैयार हैं। उन्मुक्त डोमेस्टिक क्रिकेट में दिल्ली और उत्तराखंड टीमों के लिए भी खेल चुके हैं। उन्मुक्त चंद ने ट्वीट कर अपने संन्यास की घोषणा की है। हालांकि उन्होंने फिलहाल यह नहीं लिखा है कि वे अमेरिका की तरफ से खेलेंगे। उन्मुक्त ने टिवटर पर लिखाए श् क्रिकेट एक यूनिवर्सल खेल है और हो सकता है कि मतलब बदल जाएं लेकिन मकसद हमेशा एक ही रहता है और वह है. टॉप लेवल पर खेलना। साथ ही मेरे सभी समर्थकों और चाहने वालों का शुक्रिया जिन्होंने हमेशा मुझे दिल में जगह दी। आप जैसे हैं उससे लोग प्यार करें इससे बेहतर कोई भावना नहीं होती। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरे पास ऐसे लोग हैं। सबका शुक्रिया। अगले अध्याय की तरफ बढ़ते हैं।

15 अगस्त को लॉर्ड्स टेस्ट जीतेगा भारत रोहित शर्मा के रिऐक्शन ने जीता दिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने लॉर्ड्स टेस्ट मैच के पहले दिन जबर्दस्त बल्लेबाजी की। रोहित ने 145 गेंद पर 83 रनों की शानदार पारी खेली और इस दौरान 11 चौके और एक छक्का भी लगाया। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने तीन विकेट पर 273 रन बना लिए थे। भारत फिलहाल मजबूत स्थिति में नजर आ रहा है और अगर सबकुछ सही रहा थाए भारत के पास चौथे दिन ही यह टेस्ट मैच जीतने का मौका हो सकता है। मैच का चौथा दिन भारत के लिए बहुत खास होगाए इस तारीख को भारत अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। मैच के पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद जब रोहित से इस बारे में सवाल किया गयाए तो उन्होंने अपने जवाब से सबका दिल जीत लिया।

टीम इंडिया इस मैच में जिस तरह से पहले दिन खेलीए उसको लेकर रिपोर्टर ने कहाए श्अगर भारत लॉर्ड्स टेस्ट जीतता है और वो भी 15 अगस्त कोए तो

देशवासियों को सेलिब्रेट करने का एक और मौका मिल जाएगा।श् इस पर रोहित ने पहले तो सैल्यूट किया और फिर बड़ी सी मुस्कान के साथ कहाए श्क्या बात कह दी आपने सर। अगर ऐसा होता हैए तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगीए यह शानदार होगा।श् भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच नॉटिंघम में खेला गया थाए जो ड्रॉ पर छूटा था। भारत ने 2014 के बाद से लॉर्ड्स के मैदान पर जीत दर्ज नहीं की है। लॉर्ड्स के मैदान पर टीम इंडिया का रिकॉर्ड काफी खराब रहा हैए तो ऐसे में अगर टीम इंडिया यहां जीत दर्ज करती हैए तो यह क्रिकेट फैन्स के लिए बहुत बड़ी बात होगी और अगर यही जीत चौथे दिन आ जाती हैए यह जीत सोने पर सुहागा जैसी होगी।

रोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केएल राहुल की बैटिंग की भी जमकर तारीफ की। राहुल मैच के दूसरे दिन 129 रन बनाकर आउट हुए। पहले दिन वह 127 रन बनाकर नॉटआउट लौटे थे। रोहित ने कहाए श्मैंने केएल को जब भी बल्लेबाजी करते हुए देखा हैए उसमें शायद यह बेस्ट पारी थी।

क्रुणाल पांड्या की गले में दर्द के की शिकायत के बावजूद कोरोना टेस्ट में हुई देरी, चिकित्सा अधिकारी पर उठे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के दौरान कोविड.19 पॉजिटिव हुए क्रुणाल पांड्या ने गले में दर्द महसूस होने के तुरंत बाद इसकी जानकारी बीसीसीआई के चिकित्सा अधिकारी को दी थी लेकिन फिर भी उनकी आरटी.पीसीआर जांच एक दिन बाद हुई जिससे चिकित्सा अधिकारी की सक्रियता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। अगर दौरे पर चिकित्सा अधिकारी तुरंत सक्रिय हुए होते तो कोविड.19 जांच में पॉजिटिव पाए गए पांड्या के करीबी संपर्क के आठ खिलाड़ी क्वारंटाइनमें जाने से बच जाते क्योंकि इसके कारण वे दो टी20 इंटरनेशनल मैचों में नहीं खेल पाए।पता चला है कि क्रुणाल ने गले में दर्द के लक्षण महसूस होने के बाद तुरंत टीम के साथ गए डॉक्टर अभिजीत साल्वी को 26 जुलाई को इसके बारे में बताया लेकिन उस समय तो रैपिड एंटीजन टेस्ट हुआ और न ही खिलाड़ी को क्वारंटाइन में भेजा

गया। बल्कि गले में दर्द के बावजूद टीम के डॉक्टर ने खिलाड़ी को टीम बैठक में शिरकत करने की मंजूरी दी और 27 जुलाई की सुबह को ही उनका आरटी.पीसीआर टेस्ट किया गया। रिपोर्ट दोपहर में आयी जिसके बाद बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट ने संयुक्त रूप से मिलकर मैच को एक दिन के लिए स्थगित करने का फैसला किया क्योंकि इस खिलाड़ी के आठ करीबी खिलाडि़यों का भी परीक्षण किया गया था। शुरू में सभी जांच में नेगेटिव आए लेकिन श्रीलंका से रवाना होने से पहले कृष्णप्पा गौतम और युजवेंद्र चहल को भी पॉजिटिव पाया गया। शिखर धवन की अगुआई वाली भारत की सफेद गेंद की टीम ने इस दौरे पर तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेले थे। टीम ने वनडे सीरीज 2.1 से जीती और टी20 में उसे 1.2 से हार मिली। श्रीलंका में इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहाए श्क्रुणाल को 26 जुलाई को ही गले में दर्द था और उसने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए चिकित्सा अधिकारी को सूचित किया।

केएल राहुल ने रोहित शर्मा को सम्मान देने के लिए किया काम, वीडियो हुआ वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन केएल राहुल और रोहित शर्मा ने भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई। इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। पहले टेस्ट मैच के दौरान केएल राहुल के रोहित शर्मा को दिए सम्मान ने फैन्स का दिल जीत लिया। ये वीडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है। लोग केएल राहुल के इस बर्ताव की तारीफ कर रहे हैं।ये वाकया पहले सेशन के दौरान का हैए जब बारिश की वजह से खेल रोकना पड़ा। जब बारिश की वजह से खेल रुकने के दौरान केएल राहुल और

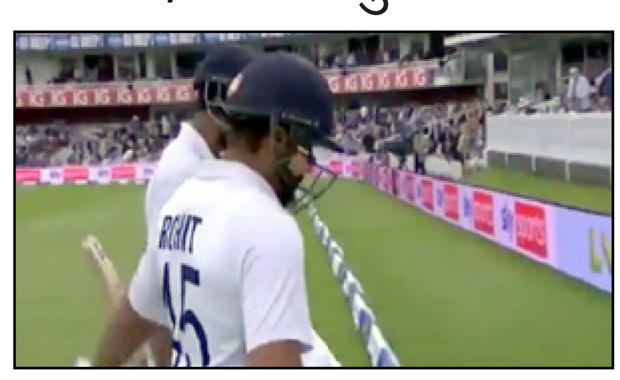

रोहित शर्मा ड्रेसिंग रूम में वापस जा रहे थे। इस समय टीम इंडिया ने बिना विकेट खोए 46 रन बना लिए थे। जैसे ही केएल राहुल अपने साथी ओपनर रोहित शर्मा के साथ डगआउट की तरफ जाने के लिए बाउंड्री रोप के पास पहुंचे तो वो वहां रुक गए। केएल राहुल को ऐसा करता देख रोहित शर्मा ने उन्हें आगे जाने के लिए धक्का दिया। रोहित शर्मा और केएल राहुल के बीच पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी हुई। रोहित शर्मा ने आउट होने से पहले 83 रन बनाए।

एमएस धोनी की अगुवाई में यूएई के लिए रवाना हुई चेनन्ई सुपर किंग्स की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग;आईपीएलद्ध 2021 के सीजन का दूसरा चरण यूएई में 19 सितंबर से खेला जाएगा। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में चेनन्ई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए यूएई रवाना हो गई। सीएसके ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से फोटो शेयर कर इसकी जानकारी दी गई। एमएस धोनी की अगुवाई में चेनन्ई ने तीन बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया है। आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में सीएसके पांच बार की आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस से 19 सितंबर को भिड़ेगी। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण का पहला मुकाबला इन दोनों टीमों के बीच खेला जाएगा। सीएसके ने धोनी की एयरपोर्ट पर ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की। उन्होंने ट्वीट कर लिखाए श्गेट रेडी फोक्सश्। सीएसके ने एक और ट्वीट में सुरेश रैनाए अंबाती रायडू ए रॉबिन उथप्पाए ऋतुराज गायकवाड़ए दीपक चाहरए करण शर्मा और केएम आसिफ की दुबई के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पर वेटिंग एरिया में बैठे फोटो पोस्ट की। आईपीएल 2021 के पहले चरण में चेनन्ई का प्रदर्शन शानदार रहा था। चेनन्ई ने सात मैचों में से पांच मैच जीते थे और वो 10 प्वॉइंट के साथ प्वॉइंट टेबल पर दूसरे नंबर पर थी। गौरतलब है कि भारत में खेले जा रहे आईपीएल 14 में बायो बबल में कोरोना की एंट्री के बाद मई के पहले हफ्ते में बीसीसीआई ने इसे स्थगित कर दिया था। इसके बाद बाकी मैच यूएई में कराने का फैसला बोर्ड ने लिया।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान में दो मैच खेलेगा इंग्लैंड, महिला टीम भी होंगी साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की मेंस क्रिकेट टीम टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान का दौरा करेगी। पाकिस्तान दौरे पर इंग्लैंड की मेंस टीम दो मैच खेलेगी। ये मैच अक्टूबर में खेले जाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ;पीसीबीद्ध ने इंग्लैंड के दौरे पर अपनी मुहर लगा दी है। इंग्लैंड की मेंस टीम अक्टूबर में टी20 सीरीज खेलने के लिए पाकिस्तान जाएगी। उसी समय इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। इस सीरीज से इंग्लैंड ?अक्टूबर नवंबर में यूएई और ओमान में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की अपनी तैयारियों को परखेगा।

इंग्लैंड की मेंस और महिला टीम नौ ?अक्टूबर को पाकिस्तान के लिए रवाना होगी। इंग्लैंड की मेंस टीम का दौरा केवल दो हर दिन का होगा। इस दौरे पर इंग्लिश टीम दो टी20 मुकाबले खेलेगी। सीरीज का पहला मैच 13 अक्टूबर को होगा जबकि दूसरा अगले दिन 14 अक्टूबर को खेला जाएगा। इंग्लैंड की मेंस टीम पाकिस्तान के अपने दौरे पर सभी मैच रावलपिंडी के पिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। दोनों ही टीमों के दौरे का आगाज 13 अक्टूबर से होगा। महिला टीम 13 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। महिला टीम 17ए 19 और 21 अक्टूबर को तीन वनडे मैच खेलेगी। इंग्लैंड 2005 के बाद से पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रहा है। इंग्लैंड की टीम अगले साल सीमित ओवर की सीरीज और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों के लिए भी पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। मेंस टीम 15 अक्टूबर को संयुक्त अरब अमीरात रवाना होगी।

सुनील शेट्टी ने की केएल राहुल के शतक की तारीफ, फैन्स बोले- तो क्या हम ये रिश्ता पक्का समझें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओपनर केएल राहुल ने इंग्लैंड के साथ जारी लॉर्ड्स टेस्ट में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। राहुल लॉर्ड्स में शतक लगाने वाले केवल तीसरे भारतीय ओपनर बने हैं।

उनकी इस पारी की हर कोई तारीफ कर रहा है और सोशल मीडिया पर उन्हें शुभकमानाएं भी मिल रही है। इस बीच बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने भी राहुल के इस शतक की काफी सराहना की है। राहुल की तारीफ को फैन्स बॉलीवुड एक्ट्रेस और सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी से जोड़ र?हे हैं और सोशल मीडिया पर पूछ भी रहे हैं कि उनकी शादी कब होगी। आपको बता दें कि इस बात की खबरें अक्सर चर्चा में रहती है कि राहुल और

अथिया काफी समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और दोनों को काफी समय से एक दूसरे के साथ टाइम बिताते हुए देखा जा सकता है।

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी राहुल के शतक से काफी खुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने राहुल की तारीफ करते हुए ट्विटर पर लिखाए श् क्रिकेट के मक्का में शतकए अच्छा खेले बाबा।श् उनके इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर काफी कमेंटस आने शुरू हो गए हैं। फैन्स सुनील शेट्टी द्वारा की गई इस तारीफ को अथिया से जोड़ रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या अब अथिया और राहुल का रिश्ता पक्का समझें। राहुल हालांकि मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को 250 गेंदों पर 129 रन बनाकर आउट हो चुके हैं। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और एक छक्का लगाया। अथिया शेट्टी और राहुल को कई मौकों पर स्पॉट भी किया गया है। अथिया भी इन दिनों इंग्लैंड में ही हैं। राहुल के शतक के बाद जब अथिया ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया तब सुनील शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखाए श् क्रिकेट के मक्का पर 100। बधाई और भगवान आपको खुब तरक्की दे बाबा केण्एसण् राहुल। और हांए मेरे बर्थडे गिफ्ट के लिए भी शुक्रिया।श् इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले अथिया को राहुल के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए देख गया था। उस समय टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के बाद 20 दिनों के ब्रेक पर थी।

कोविड-19 के दौरान हाईकोर्ट कर्मियों की रही अहम भूमिका, इनके बगैर फेल हो जाता सिस्टम : हाईकोर्ट के न्यायाधीश

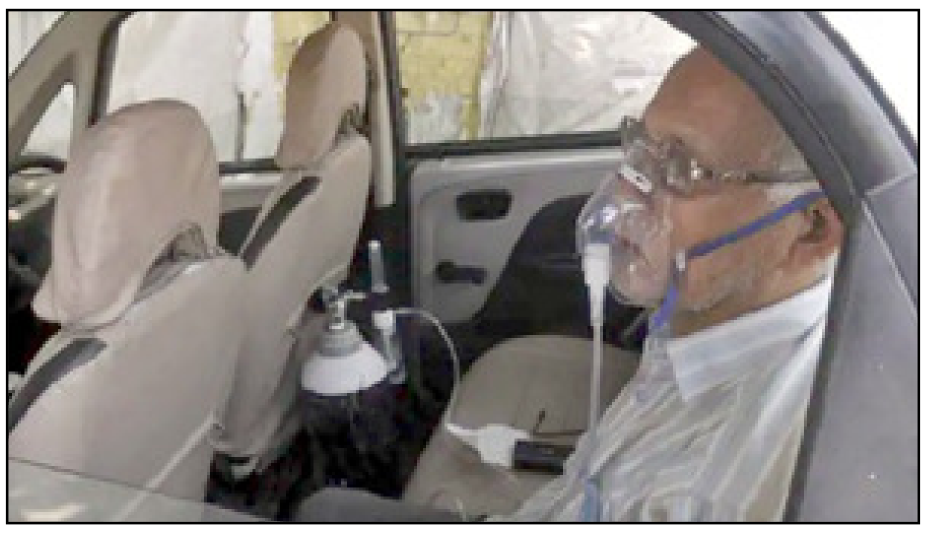

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर गुरुवार को रिटायर हुए न्यायमूर्ति राजीव सहाय एंडलॉ ने कहा कि अदालत कर्मियों और रजिस्ट्री द्वारा किए गए कामकाज के बगैर कोविड-19 के दौरान पूरी प्रणाली ही ध्वस्त हो गई होती। न्यायमूर्ति एंडलॉ ने हाईकोर्ट द्वारा उनकी विदाई के लिए डिजिटल माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि कर्मचारियों के अलावा कानून पर शोध करने वालों ने भी काफी योगदान दिया, जिसे अवश्य ही स्वीकार किया जाना चाहिए।

न्यायाधीश ने कहा कि इस अदालत की परंपरा न्यायाधीशों, वकीलों को सम्मानित करने की रही है, लेकिन अब तक मैंने अदालत प्रणाली के इन दोनों पहलुओं को सम्मानित करने की परंपरा नहीं देखी है, जिनके बगैर हमारी अदालत प्रणाली महामारी में नाकाम हो जाती। उनके बगैर दिल्ली हाईकोर्ट वह कार्य नहीं कर पाता जिसके बारे में पूरा देश बात कर रहा है।

उन्होंने टिप्पणी की कि हम सौभाग्यशाली हैं। हमे बड़े-बड़े मकान दिए गए हैं, जहां हमारा घर-ऑफिस हैं, लेकिन स्टेनोग्राफर स्क्रीन खोलते ही अपने परिवार से शांत रहने कहते हैं, अपने बच्चों को पढ़ाई नहीं करने, गीत नहीं सुनाने या अपने परिवार को पीछे से नहीं गुजरने को कहते हैं। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल ने कहा कि न्यायमूर्ति एंडलॉ कड़ी मेहनत करने वाले और समय के पाबंद हैं तथा न्यायपालिका को उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा और सराहा जाएगा।

न्यायाधीश के तौर पर अपने 13 साल के कार्यकाल के दौरान न्यायमूर्ति एंडलॉ ने कई ऐतिहासिक फैसले सुनाए। उन्होंने अगस्त 2011 में सुरेश कलमाडी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया था, जो राष्ट्रमंडल खेल घोटाले में जेल में कैद थे और संसद के सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। न्यायाधीश ने 2016 के अपने एक फैसले में दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों की पुस्तकों के अध्याय की फोटोकॉपी छात्रों को बेचने को लेकर फोटोकॉपी की एक दुकान पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था। न्यायमूर्ति एंडलॉ ने दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी की उपाधि हासिल की थी।

टाइप 8 बंगले में रहने के लिए रमेश पोखरियाल निशंक अधिकृत, बोले- किसी ने उनसे नहीं कहा बंगला खाली करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक के कार्यालय ने साफ किया है कि लोकसभा सचिवालय के नियमों के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, पूर्व राज्यपाल और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष में से यदि कोई सांसद दो अह्ताएं रखता हो तो वह टाइप आठ बंगले में रहने का हकदार है। निशंक पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं तथा लोकसभा सचिवालय ने उन्हें टाइप 8 मकान के लिए अधिकृत किया है। वह पहले से ही इस श्रेणी के मकान में रह भी रहे हैं। इसके अलावा उन्हें किसी ने यह बंगला खाली करने को भी नहीं कहा है। दरअसल मीडिया में ऐसी खबरें आ रही थी केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया यह बंगला चाहते हैं, जबकि रमेश पोखरियाल निशंक 27 सफदरजंग रोड स्थित बंगले में ही रहना चाहते हैं। खबर में दावा किया गया था कि रमेश पोखरियाल निशंक ने कैबिनेट से हटने के एक महीने बाद भी बंगला खाली नहीं किया है। इन खबरों का खंडन करते हुए रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि उनसे किसी ने बंगले को खाली करने के लिए कहा ही नहीं है और वह उसमें रहने के लिए अधिकृत हैं। इसके लिए उन्होंने नियमावलि का हवाला देते हुए कहा कि वह पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व चीफ मिनिस्टर के तौर पर टाइप 8 मकान के लिए अधिकृत है।रिपोर्ट्स में कहा गया था कि इसी बंगले में रहने पर नए बने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी अड़े हुए हैं। दरअसल सफदरजंग के मकबरे के पास लुटियन दिल्ली में स्थित इस बंगले पर सिंधिया परिवार लंबे समय से रहता रहा है। खुद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी 2019 में लोकसभा चुनाव हारने तक इसी बंगले में रह रहे थे। इससे पहले उनके पिता माधवराव सिंधिया भी यहीं सालों तक रहे।

दिल्ली कैंट रेप केस : सभी आरोपियों का पोटेंसी टेस्ट कराया, कपड़े और मोबाइल भी जब्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैंट के ओल्ड नांगल गांव के श्मशान घाट में कथित तौर पर नौ साल की दलित बच्ची के साथ कथित बलात्कार और हत्या के मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों का नपुंसकता टेस्ट (इ्दूाहम्ब् ऊ्रू) कराया है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट को इस बारे में सूचित करते हुए बताया कि आरोपियों से हिरासत में पूछताछ के दौरान उनके अलग-अलग बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने यह भी कहा कि घटना के समय पहने हुए सभी आरोपियों के कपड़े और उनके मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए गए हैं।

पुलिस ने कहा कि उनका पोटेंसी टेस्ट कराया गया है। पुलिस ने अदालत को यह भी बताया कि उसने मामले के कुछ गवाहों के बयान दर्ज किए हैं जिनमें मृतक की मां भी शामिल है। दिल्ली पुलिस की ओर से यह दलील तब आई जब पीडि़ता के परिवार के सदस्य द्वारा दायर एक सुनवाई आवेदन में यौन उत्पीड़न और अन्य अपराधों की महिला पीडि़तों के लिए मुआवजा योजना-2018 के तहत अंतरिम मुआवजे की मांग की गई थी। अदालत ने दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को एक मृत दलित नाबालिग लड़की की मां को 2,50,000 रुपये का अंतरिम मुआवजा तुरंत जारी करने का निर्देश दिया, जिसकी कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। कोर्ट ने आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भी भेज दिया है।

स्वतंत्रता दिवस पर भी दिल्ली कूच करेंगे किसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ करीब 8 महीनों से दिल्ली और आसपास की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर अपने आंदोलन की रूपरेखा का ऐलान कर दिया है। किसानों ने स्वतंत्रता दिवस को 'किसान-मजदूर आजादी संग्राम दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान के बाद देशभर के किसान प्रखंड और तहसील स्तर पर इस दिन 'तिरंगा रैलियां' निकालेंगे। हालांकि किसानों ने जोर देते हुए कहा कि वे दिल्ली में नहीं घुसेंगे।

केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस को 'किसान-मजदूर आजादी संग्राम दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान के बाद देशभर के किसान प्रखंड और तहसील स्तर पर इस दिन 'तिरंगा रैलियां' निकालेंगे। हालांकि किसानों ने जोर देते हुए कहा कि वे दिल्ली में नहीं घुसेंगे। ऑल इंडिया किसान संघर्ष

कॉर्डिनेशन कमेटी (एआईकेएससीसी) की कविता कुरुगंती ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा ने 15 अगस्त को सभी घटक संगठनों का आह्वान किया है कि इस दिन को 'किसान-मजदूर आजादी संग्राम दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस दिन तिरंगा मार्च आयोजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि इस दिन किसान और मजदूर तिरंगा मार्च में ट्रैक्टर, मोटर साइकिल, साइकिल और बैलगाड़ी आदि लेकर निकलेंगे और ब्लॉक, तहसील, जिला मुख्यालयों की ओर कूच करेंगे। वे पास के धरना स्थलों पर भी जा सकते हैं। इस दौरान वाहनों पर तिरंगे लगे होंगे। किसान नेता अभिमन्यु कोहर ने कहा कि देशभर में सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक रैलियां निकाली जाएंगी। दिल्ली में भी सिंघु बॉर्डर, टीकरी बॉर्डर और गाजीपुर बॉर्डर पर तिरंगा मार्च निकाले जाएंगे और पूरे दिन कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।किसान नेता जगमोहन सिंह ने कहा कि सिंघु बॉर्डर पर किसान प्रदर्शन स्थल स्थित मुख्य मंच से लेकर करीब आठ किलोमीटर दूर केएमपी एक्सप्रेस तक मार्च निकालेंगे। किसानों ने जोर देते हुए कहा कि 15 अगस्त को निकलने वाली तिरंगा रैली शांतिपूर्ण होंगी और दिल्ली से दूरी रखी जाएंगी। उन्होंने कहा कि 26 जनवरी के घटनाक्रम ने हमारे आंदोलन को बदनाम किया था, इसलिए 15 अगस्त को तिरंगा मार्च दिल्ली में नहीं आएंगे, लेकिन हमारा आंदोलन तब तक खत्म नहीं होगा जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती।

कश्मीर में आतंकवादियों को भेजने से बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, एनकाउंटर मे मारा गया उस्मान निकला पाकिस्तानी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हमले की योजना बना रहे एक पाकिस्तानी आतंकवादी के कुलगाम जिले में एक मुठभेड़ में मारे जाने से सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने कहा है कि कुलगाम मुठभेड़ में मारा गया आतंकवादी उस्मान एक पाकिस्तानी और शीर्ष जेएम कमांडर लंबू का करीबी सहयोगी था। लंबू भू हाल ही में एक मुठभेड़ में मारा गया था। उन्होंने कहा कि उस्मान का पाकिस्तानी होना यह बीएसएफ के काफिले पर हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता की पुष्टि करता है।उन्होंने कहा कि रात भर चली मुठभेड़ उस समय शुरू हुई थी जब एक इमारत में छिपे दो आतंकवादियों ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीएसएफ के काफिले पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि कुलगाम के मालपोरा मीर बाजार इलाके के पास श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर (बृहस्पतिवार) करीब तीन बजे

आतंकवादियों ने बीएसएफ के काफिले पर गोलीबारी की। पुलिस और सुरक्षा बलों के एक आरओपी (सड़क खोलने वाले दल) ने जवाबी कार्रवाई की। शुरुआती हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। प्रवक्ता ने कहा कि पुलिस और सेना के जवान तुरंत वहां पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर दी।

स्वतंत्रता दिवस : दिल्ली पुलिस के वेश में लाल किले में घुस सकते हैं खालिस्तानी समर्थक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस से पहले शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में दिल्ली पुलिस के अधिकारियों की हाई लेवल मीटिंग चल रही है। सूत्रों के अनुसार, मीटिंग का एजेंडा स्वतंत्रता दिवस सुरक्षा और एजेंसियों द्वारा शेयर किया गया ताजा खुफिया अलर्ट है। ताजा अलर्ट के अनुसार, असामाजिक तत्व और खालिस्तानी आंदोलन के प्रति वैचारिक झुकाव रखने वाले लोग दिल्ली पुलिस के जवानों के वेश में लाल किले की सुरक्षा में घुसपैठ करने की कोशिश कर सकते हैं। इसके साथ ही दिल्ली में धार्मिक स्थलों पर कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा करने का प्रयास किया जा सकता है।

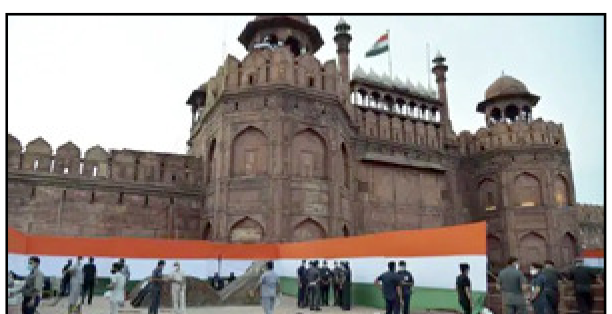

दिल्ली पुलिस के (इं्ध) चिन्मय बिस्वाल ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी 15 अगस्त के लिए लाल किला और उसके आसपास, सभी बॉर्डरों पर और पूरी दिल्ली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किया गए हैं। देशविरोधी, शरारती तत्वों को कोई भी मौका न मिले इसके लिए पुलिस, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक बंदोबस्त किया गया है। दिल्ली में चाक-चौबंद सुरक्षा इंतजामों के बीच दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा कारणों के चलते लाल किले के मुख्य द्वार पर कंटेनरों की एक विशाल दीवार खड़ी कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब पुलिस ने इस तरह की ऊंची दीवार खड़ी की गई है। इन कंटेनरों को इस तरह से रखा गया है कि कोई भी व्यक्ति मुगल काल के इस परिसर के अंदर न देख सके। प्रधानमंत्री स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से राष्ट्र को संबोधित करते हैं।

वैक्सीन पॉलिसी में भी दुनिया से आगे इजरायल, 50 साल वालों को भी लगेगी बूस्टर शॉट

तेल अवीव (एजेंसी)। इज़राइल ने शुक्रवार को एध्न्ड्ड-19 वैक्सीन बूस्टर शॉट के लिए जरूरी न्यूनतम आयु 60 साल से घटाकर 50 कर दी है। डेल्टा वेरिएंट से होने वाले संक्रमणों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद करते हुए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को भी बूस्टर डोज दिए जाएंगे। इज़राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक, नचमन ऐश ने गुरुवार देर रात एक विशेषज्ञ सलाहकार पैनल द्वारा फाइजर-बायोएनटेक वैक्सीन की तीसरी शॉट पात्रता का विस्तार करने की सिफारिश को स्वीकार करते हुए इसकी घोषणा की है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ङ्ख50 से अधिक उम्र के लोग, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, कोरोनो वायरस के गंभीर संक्रमण में आने वाले लोग बूस्टर डोज ले सकते हैं। इजरायल में 2020 के अंत टीकाकरण अभियान की

शुरुआत की गई थी। यह काफी सफल भी रहा है। लगभग 60 प्रतिशत आबादी को फाइजर वैक्सीन के दो शॉट दिए जा चुके हैं। यहां कोरोना के नए मामलों में भी कमी देखी गई है। हालांकि दुनिया भर में डेल्टा वैरिएंट के बढ़ते प्रकोप के बीच इज़राइल में भी नए संक्रमण बढ़ गए हैं। सोमवार को 5,946 नए मामले सामने आए हैं। इसका बढ़ना लगातार जारी है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा किसी भी तीसरी खुराक की मंजूरी से पहले, 60 और उससे अधिक उम्र के इजरायलियों को दो सप्ताह पहले बूस्टर मिलना शुरू हो चुका है।

जम्मू-कश्मीरः राजौरी में बीजेपी नेता के घर आतंकियों ने किया ग्रेनेड से हमला, 2 साल के मासूम की मौत, 6 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले में गुरुवार की रात को भारतीय जनता पार्टी के एक नेता के घर पर आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला कर दिया, जिसमें 2 साल के बच्चे की मौत हो गई है। वहीं, 6 लोग घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। इस ग्रेनेड हमले में बीजेपी कार्यकर्ता जसबीर सिंह, उनके माता-पिता और तीन अन्य रिश्तेदार घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि खंडली इलाके में स्थित घर पर संदिग्ध आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंका और वह छत पर फट गया। बीते कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में राजनेताओं, विशेष रूप से भाजपा से संबंध रखने वाले लोगों पर हमलें बढ़ गए हैं। चार दिन पहले कश्मीर घाटी के अनंतनाग में भाजपा से जुड़े एक ग्राम प्रधान और उसकी पतनी की हत्या के बाद यह मामला सामने

आया है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने इस सप्ताह कहा था कि आतंकवादियों के तीन से चार समूहों ने हाल ही में सीमा पार से क्षेत्र में घुसपैठ की है।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि 36 वर्षीय जसबीर सिंह और उनके परिवार के पांच सदस्यों को हमले में बम के छर्रे लगे हैं। इनमें से दो को इलाज के लिए जम्मू रेफर कर दिया गया। मगर जिस बच्चे की मौत हुई है, वह जसबीर सिंह का भतीजा बताया है। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षा बल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। इधर, स्थानीय राजौरी अस्पताल में सुविधाओं की कमी को लेकर लोगों के एक समूह ने विरोध प्रदर्शन किया और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

टिग्रे युद्धः महिलाओं से बलात्कार के गंभीर मामले

डॉयचे वेले, (एजेंसी)। एमनेस्टी की रिपोर्ट के मुताबिक टिग्रे में दर्जनों महिलाओं ने देश के सैनिकों और सहयोगी बलों द्वारा यौन हमलों पर अपना दर्द बयान किया है. रिपोर्ट कहती है वारदात को अंजाम देने वाले अपने कमांडर से सजा के डर बिना ऐसे करते हैं.संकट प्रतिक्रिया पर जांचकर्ता डोनाटेला रोवेरा कहती हैं, ''ये सभी सैनिक शुरू से ही, हर जगह और लंबे समय तक इन अपराधों को अंजाम देते आए हैं. उन्हें ऐसा लगता है कि इस तरह के अपराध को अंजाम देना ठीक है क्योंकि वे सजा से आजाद हैं और ऐसा कर सकते हैं.'' रोवेरा कहती हैं, ठवह इस बारे में अटकलें नहीं लगाएंगी कि क्या किसी नेता ने संकेत दिया है कि बलात्कार किया जाएठ रिपोर्ट कहती है कि ऐसा करने का उद्देश्य टिग्रे के जातीय समूहों और महिलाओं को अपमानित करना है. रोवेरा ने कहा कि दुनिया भर में होने वाले अत्याचारों की जांच के अपने वर्षों के काम में ये घटनाएं कुछ सबसे खराब हैं. मानवाधिकार

संस्था एमनेस्टी ने कहा कि फरवरी और अप्रैल के बीच स्वास्थ्य केंद्रों में यौन उत्पीड़न के करीब 1200 से ज्यादा मामले आए. नौ महीने के संघर्ष के दौरान वास्तविक आंकड़े के बारे में कोई नहीं जानता है. 60 लाख की आबादी वाले क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को लूट लिया गया या नष्ट कर दिया गया है.

महिलाओं ने बयान किया दर्द एमनेस्टी ने कहा कि जितने मामले आए हैं वह वास्तविक घटनाओं का महज ''छोटा हिस्सा'' होने का अनुमान है. एमनेस्टी ने स्वास्थ्य कर्मियों के साथ 63 महिलाओं का साक्षात्कार लिया है. दर्जन भर महिलाओं ने कई दिनों या हफ्तों तक बंधक बनाकर कई लोगों द्वारा बलात्कार के बारे में बताया. 12 महिलाओं ने कहा कि उनके परिवार के सामने बलात्कार किया गया।

अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में तालिबान के आगे पूरी सरकार का सरेंडर

गवर्नर से लेकर पुलिस चीफ तक हिरासत म

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। एक के बाद राज्यों पर तालिबान का कब्जा हो रहा है और चौतरफा अफरातफरी का माहौल है। इस बीच हेरात प्रांत की पूरी सरकार ने ही तालिबान के आगे सरेंडर कर दिया है। यही नहीं राज्य के गवर्नर, पुलिस चीफ, एनडीएस ऑफिस के हेड को तालिबान ने हिरासत में ले लिया है। इसके अलावा तालिबान के खिलाफ जंग के प्रतीक रहे मोहम्मद इस्माइल खान को भी तालिबान ने हिरासत में लिया है। ऊदत्द न्यूज ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

तालिबान ने हेरात के अलावा कंधार पर भी कब्जा जमा लिया है, जिसे अफगानिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर कहा जाता है। बीते एक सप्ताह में ही तालिबान ने देश के 13 प्रांतों पर कब्जा कर लिया है। गुरुवार की रात को उसने कंधार पर कब्जा किया और फिर सुबह होते-होते लश्कर गाह शहर भी उसके हवाले हो गया था। यही नहीं अब तालिबान का अगला टारगेट काबुल दिखता है और पश्चिमी देशों ने अपने दूतावासों से राजनयिकों को निकालने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिका ने अपने 3,000 सैनिकों को वापस अफगानिस्तान भेजा है, जो उसके डिप्लोमैट्स को सुरक्षित निकालने का काम करेंगे। दक्षिणी अफगानिस्तान में कंधार और पश्चिम में हेरात प्रांत पर कब्जा जमाने के बाद तालिबान अब काबुल के बेहद नजदीक पहुंच गए हैं। इस बीच गुरुवार को कतर की मध्यस्थता में तालिबान से बातचीत के दौरान अफगानिस्तान सरकार ने उसे सत्ता में साझेदारी का ऑफर दिया है, लेकिन उसके लिए हिंसा छोड़ने की शर्त रखी है। लेकिन तालिबान अब भी राष्ट्रपति अशरफ गनी की विदाई को लेकर अड़ा हुआ है।

'हेरात के शेर' कहे जाने वाले इस्माइल खान को तालिबान ने पकड़ा, अमेरिका सेना के थे करीबी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के दूसरे सबसे बड़े शहर कंधार पर कब्जा कर खलबली मचाने वाले तालिबानी आतंकवादियों ने अब 'हेरात के शेर' कहे जाने वाले इस्माइल खान को पकड़ लिया है। अफगानिस्तान में अधिकारियों की तरफ से जानकारी दी गई है कि तालिबान ने वेस्टर्न सिटी हेरात पर कब्जा कर लिया है। बताया जा रहा है कि इस्माइल खान के साथ-साथ अफगानिस्तान के उपगृहमंत्री जनरल रहमान और कई आला पुलिस अधिकारियों को पकड़ा गया है। इस्माइल खान पिछले कई दिनों से तालिबान के खिलाफ जंग लड़ रहे थे लेकिन आखिरकार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। बताया जा रहा है कि इस्माइल खान, पुलिस और स्थानीय सेना के प्रमुख हेलिकॉप्टर से हेरात से निकलना चाहते थे लेकिन अफगान सैनिकों ने ही उन्हें जाने नहीं दिया। 'रॉयटर्स' ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि एक समझौते के तहत इस्माइल खान और कुछ सुरक्षा अधिकारियों को तालिबान के हवाले कर दिया गया।

प्रोविसनल कांउसिल के एक सदस्य गुलाम हबीब हाशमी ने कहा कि 'तालिबानी इस बात पर राजी हो गये कि वो उन सरकारी अधिकारियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएंगे जो सरेंडर करेंगे।' इस समझौते के तहत इस्माइल खान और कुछ सुरक्षा अधिकारियों को तालिबान के हवाले कर दिया गया।